mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-141 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

24 मई 2025 शनिवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

एलएसजी ने ऋषभ ... @ पेज 7

अग्निवीर साथी को बचाने के लिए तेज धारा में कूद गए लेफ्टिनेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन आर्मी के लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी ने सिक्किम में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। सिक्किम स्काउट्स के लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी 22 मई को उत्तरी सिक्किम में एक ऑपरेशनल टास्क के दौरान एक

● शशांक तिवारी को सिक्किम में मिली शहादत

एक रूट ओपनिंग पैट्रोल का नेतृत्व कर रहे थे, इसी दौरान एक लॉग ब्रिज से एक अग्निवीर साथी का पैर फिसल गया और वह बहने लगा। यह देख 23 साल के लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी ने बिना कुछ सोचे समझे नदीं में छलांग लगा दी और साथी को मौत के मुंह से खींचकर बाहर ले आए, लेकिन वह अपनी जान न बचा सके। भारतीय सेना के सिक्किम स्काउट्स के लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी को छह महीने से भी कम समय पहले 14 दिसंबर 2024 को कमीशन मिला था। सिक्किम में एक टैक्टिकल ऑपरेटिंग बेस (टीओबी) की ओर एक रूट ओपनिंग पेट्रोल का नेतृत्व कर रहे थे, यह एक जरूरी पोस्ट है जिसे भविष्य की तैनाती के लिए तैयार किया जा रहा था। लगभग 11ः00 बजे गश्ती दल का एक सदस्य अग्निवीर साथी स्टीफन सुब्बा का पैर एक लॉग ब्रिज (लकड़ी का पुल) को पार करते समय पैर फिसल गया और तेज पहाड़ी धारा में बह गया।

सुब्बा को बहता देख लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी ने अपनी असाधारण सूझबूझ, निस्वार्थ नेतृत्व और अपनी टीम के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए, बिना किसी हिचकिचाहट के उसे बचाने के लिए सहज रूप से खतरनाक पानी में छलांग लगा दी। एक अन्य जवान नायक पुकार कटेल भी तुरंत उनकी सहायता के लिए उनके पीछे चले गए। साथ मिलकर, वे डूबते हुए अग्निवीर को बचाने में सफल रहे। हालांकि, लेफ्टिनेंट तिवारी दुर्भाग्य से तेज बहाव में बह गए।

सुबह मिला लेफ्टिनेंट का शवः लेफ्टिनेंट के गश्ती दल ने उन्हें उस दौरान खूब ढूंढने की कोशिश की लेकिन वह जिंदा नहीं बच सके, उनका शव सुबह 11ः30 बजे 800 मीटर नीचे की ओर बरामद किया गया। सेना ने कहा कि लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी की वीरतापूर्ण कार्रवाई भारतीय सेना के मूल मूल्यों का एक शानदार उदाहरण है- निस्वार्थ सेवा, ईमानदारी, उदाहरण के तौर पर नेतृत्व और अधिकारियों और जवानों के बीच अटूट बंधन, जो रैंक से परे है और युद्ध और शांति दोनों में पोषित होता है।

ज्वाइनिंग को 6 माह भी नहीं हुआ थाः लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी मात्र 23 वर्ष के थे और वह अयोध्या के मझवां गद्दोपुर के रहने वाले थे, आज उनका पार्थिव शरीर देर रात उनके घर पहुंच रहा है। अधिकारी के परिवार में उनके माता-पिता और एक बहन हैं। साल 2019 में उनका सिलेक्शन एनडीए में हुआ था। मिली जानकारी के मुताबिक, शशांक तिवारी बचपन से ही पढ़ाई में होशियार थे, उन्होंने अपने पहले अटेम्प्ट में ही एनडीए क्रैक किया था। 14 दिसंबर 2024 को उन्हें सेना ने ज्वाइनिंग दी थी।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप प्रशासन ने विदेशी छात्रों के दाखिले पर इसलिए लगाया बैन

अमेरिकी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई कड़े फैसले ले रहे है। उनके इन फैसलों के खिलाफ अब अमेरिका के अंदर भी आवाज उठने लगी है। हाल ही में ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को नए अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को दाखिला देने से रोक दिया है। इसके लिए ट्रंप प्रशासन ने यूनिवर्सिटी पर असुरक्षित परिसर के माहौल का आरोप लगाया है। साथ ही चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ संबंधों का भी हवाला दिया है। ट्रंप प्रशासस ने कहा कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने हाल ही में 2024 तक एक चीनी अर्धसैनिक समूह के सदस्यों की मेजबानी और प्रशिक्षण किया था। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी द्वारा जारी एक पत्र में यूनिवर्सिटी को 72 घंटे के भीतर संघीय अनुरोधों का पालन करने या स्टूडेंट एंड एक्सचेंज विजिटर प्रोग्राम से प्रतिबंधित रहने का आदेश दिया गया था। ट्रंप प्रशासन की ओर

से कहा गया था कि यह निर्णय तुरंत प्रभावी होता है। ट्रंप प्रशासन ने कहा हार्वर्ड को 2025-26 शैक्षणिक साल के लिए स्न-1 या छ्-1 वीजा पर किसी भी विदेशी नागरिक को प्रवेश देने से रोकता है। यह कदम वर्तमान में यूनिवर्सिटी में नामांकित लगभग 7,000 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को भी प्रभावित करता है। डीएचएस ने इन छात्रों को अमेरिका में अपनी कानूनी आव्रजन स्थिति बनाए रखने के लिए अन्य मान्यता प्राप्त संस्थानों में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी की सचिव क्रिस्टी नोएम ने 22 मई को हॉर्वर्ड यूनिवर्सिटी को पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने कहा, विदेशी छात्रों को दाखिला देना एक विशेषाधिकार है। आपने यह विशेषाधिकार खो दिया है।

रूस में बाल-बाल बचा भारतीय सांसदों का डेलिगेशन

रूस (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने आतंकियों को करारा जवाब दिया था। इस दौरान पाकिस्तान ने आतंकियों का समर्थन करते हुए भारत पर कई हमले किए, लेकिन भारत की सेना ने इन हमलों को हवा में ही नाकाम कर दिया। भारतीय सेना ने आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाया है, जो अभी भी जारी है। वहीं इस ऑपरेशन के बाद आतंकवाद के बारे में दुनिया भर में भारत का प्रतिनिधिमंडल भेजा गया है। इसी क्रम में डीएमके सांसद कनिमोजी के

नेतृत्व में भी भारतीय सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल रूस पहुंचा है। हालांकि यहां रूस पहुंचने के बाद विमान को करीब 45 मिनट तक हवा में ही चक्कर लगाना पड़ा। दरअसल, डीएमके नेता कनिमोझी के नेतृत्व में भारतीय सांसदों का प्रतिनिधिमंडल आज मॉस्को पहुंचा। इस दौरान सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को ले जा रहे विमान को ड्रोन हमले के कारण कुछ देर तक आसमान में चक्कर लगाना पड़ा। हालांकि बाद में विमान सुरक्षित उतर गया। बता दें कि डीएमके सांसद कनिमोझी, केंद्र द्वारा नियुक्त सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही थीं, जिन्हें ऑपरेशन सिंदूर के बाद अंतरराष्ट्रीय संपर्क अभियान के तहत भेजा गया था। ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर लक्षित एक सैन्य अभियान था।

अस्पताल के संचालक की दबंगई, देर रात महिला नर्स की जमकर की पिटाई

कौशांबी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले के एक निजी अस्पताल में स्टाफ नर्स के साथ बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। श्रद्धा अस्पताल के संचालक रमेश पर पिटाई का आरोप लगा है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मामला मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के जनसेवा अस्पताल का है। पीड़ित स्टाफ नर्स सोनम ने बताया कि वह जनसेवा अस्पताल में स्टाफ नर्स है। गुरुवार को वह नाइट ड्यूटी पर थी। तभी श्रद्धा अस्पताल का संचालक रमेश उसके पास पहुंचा और गाली गलौज करते हुए बेरहमी से मारना-पीटना शुरू कर दिया। मारपीट के दौरान आरोपी ने पीड़ित स्टाफ नर्स के कपड़े फाड़ दिए। पीड़ित स्टाफ नर्स ने मामले में मंझनपुर कोतवाली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। तब जाकर पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू की है। इस मामले पर अधिक जानकारी देते हुए सीओ अभिषेक सिंह ने बताया की स्टाफ नर्स से मारपीट का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। मामले में पीड़ित स्टाफ नर्स ने मंझनपुर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। इस संबंध में थाना प्रभारी को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है।

भारत ने पाकिस्तान को फिर से दिया जोर का झटका!

अब 23 जून तक हमारे एयरस्पेस का इस्तेमाल नहीं कर पाएगा पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने पाकिस्तानी विमानों के लिए अपना एयरस्पेस 23 जून तक के लिए बंद कर दिया है। इससे पहले पाकिस्तान से बढ़ते तनाव के बीच सरकार ने 23 मई, 2025 तक NOTAM जारी किया गया था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि भारतीय हवाई क्षेत्र में पाकिस्तानी यात्री विमान और सैन्य विमान इंटर नहीं कर सकेंगी। इससे पहले पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा जारी किए गए नए NOTAM (नोटिस टू एयरमेन) के अनुसार, पाकिस्तान ने शुक्रवार को भारतीय उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को 24 जून तक बंद कर दिया था। पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने कहा कि पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में उड़ान भरने वाले भारतीय विमानों पर प्रतिबंध 24 जून, 2025 को सुबह 4ः59 बजे तक बढ़ा दिया गया है। PAA के बयान में कहा गया है कि भारत में पंजीकृत, संचालित, स्वामित्व वाले या पट्टे पर दिए गए सभी विमान प्रतिबंध के अधीन रहेंगे। बयान में कहा गया है कि यह

प्रतिबंध भारतीय सैन्य विमानों पर भी लागू होगा। भारतीय एयरलाइनों या ऑपरेटरों द्वारा संचालित किसी भी उड़ान को पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हमारा पानी पाकिस्तान नहीं हमारे काम आएगाः कृषि मंत्री शिवराज सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद पर खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बचकानी बातें कर रहे हैं। उनकी बातें देश के खिलाफ जा रही हैं। जो भी व्यक्ति उनका सलाहकार है, वह बची-खुची कांग्रेस को भी खत्म करना चाहते हैं। शिवराज सिंह ने सिंधु जल समझौते से जुड़े सवाल पर कहा कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता रहेगा, तब तक सिंधु नदी में पानी नहीं बहेगा। हमारा पानी हमारे किसानों के काम आएगा। जब शिवराज से पूछा गया कि दोबारा युद्ध जैसे हालात बनने पर देश कितना तैयार है। कृषि मंत्री के रूप में वह कितने तैयार हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि देश हर चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस साल रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है और आगे भी होगा। भारत न सिर्फ अपनी जरूरतें पूरी करेगा, बल्कि दुनिया के लिए फूड बास्केट भी बनेगा।

दूल्हा मंगलसूत्र लिए इंतजार करता रहा, दुल्हन ने प्रेमी को बुलाया और निकल गई

पुलिस सुरक्षा के बीच प्रेमी के साथ मंडप से निकली

हासन (एजेंसी)। कर्नाटक के हासन में एक दुल्हन ने मंगलसूत्र पहनने से ठीक पहले शादी से इंकार दिया। इस शादी का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि दूल्हा हाथ में मंगलसूत्र लिए इंतजार कर रहा है। लड़की के घरवाले उसे समझा रहे हैं। हालांकि, अंत तक लड़की नहीं मानी। ऐसे में पुलिस मौके पर पहुंची और शादी कैंसिल हो गई।

बताया जा रहा है कि दुल्हन ने एन मौके पर शादी करने से मना कर दिया। इसके बाद पुलिस सुरक्षा के बीच प्रेमी के साथ मंडप से निकल गई। घटना शुक्रवार (23 मई) की है। हासन के आदिचुंचनगिरी शादी मंडप में हासन तालुका के बुवनहल्ली गांव की लड़की और अलूर तालुका के लड़के का विवाह हो रहा था।

मंगलसूत्र बांधने का समय आया तो लड़की ने शादी से इनकार कर दिया। कुछ मिनटों तक लड़की और उसके परिवार वालों के बीच बातचीत चलती रही। मां बाप और रिश्तेदारों ने उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन वो नहीं मानी। लड़का हाथ में मंगलसूत्र रखकर इंतजार करता रहा, लेकिन लड़की ने कहा कि उसके जीवन में कोई और है और वो उससे ही शादी करेगी। इतना कहकर उसने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया।

लड़की बोली- मैं फैसला लेने की स्थिति में नहीं: पुलिस को सूचना मिली तो एक टीम वहां पर पहुंची, लड़की से बातचीत के बाद पुलिस ने उसके प्रेमी को बुलाया और दोनों की सहमति के बाद लड़की के माता पिता से बात की। इसके बाद पुलिस लड़की और उसके प्रेमी को लेकर पुलिस स्टेशन गयी। वहां दोनों का स्टेटमेंट लिया गया और उसके बाद लड़की को उसकी नानी के घर भेज दिया गया। लड़की ने पुलिस से कहा कि वो बहुत डरी हुई है। अभी वो कोई भी फैसला लेने की स्थिति में नहीं है।

सिलेबस में ऑपरेशन सिंदूर को शामिल करने की मांग

कांग्रेस बोली- मंत्री विजय शाह के बयान भी जोड़ेंगे

भोपाल (एजेंसी)। उत्तराखंड मदरसा बोर्ड के ऑपरेशन सिंदूर को पाठ्यक्रम में शामिल करने के निर्णय के बाद अब मध्य प्रदेश से भी ऑपरेशन सिंदूर को स्कूलों के सिलेबस में शामिल करने की मांग उठने लगी है। भाजपा के विधायक और सांसद के अलावा कांग्रेस के विधायक आरिफ मसूद ने भी स्कूल सिलेबस में ऑपरेशन सिंदूर को शामिल करने की बात का समर्थन किया है। भोपाल के बीजेपी सांसद आलोक शर्मा ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर को पाठ्यक्रम में शामिल करने की बात कही, इस पर कांग्रेस के विधायक आरिफ मसूद ने भी मांग का जायज ठहराया, पर साथ ही सरकार एक कटाक्ष रूपी सवाल किया।

भोपाल सांसद ने कहा है कि पीढ़ी परिवर्तन के समय ऑपरेशन सिंदूर को पाठ्यक्रम में शामिल करने से आगे आने वाली पीढ़ी को पता चलेगा किस प्रकार से देश की सेवा ने वीर सैनिकों ने हिंदुस्तान की रक्षा की ओर पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। MP आलोक शर्मा ने कहा कि हमारे भारत के सैनिकों का धन्यवाद किया जा रहा है उनके

पराक्रम शौर्य से हमारे देश के सिंदूर की रक्षा हुई है और आने वाला समय देश में पीढ़ी परिवर्तन का समय है, ऐसे में देश के स्कूलों में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर हुए लड़ाई को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए तो आगे आने वाली पीढ़ी को पता चलेगा किस प्रकार से देश की सेवा ने वीर सैनिकों ने हिंदुस्तान की रक्षा की और पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब दिया। देश की जनता चाहती है मैं लोकसभा में इस मामले को उठाऊंगा।

इसी बीच भोपाल के भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी इस मांग का समर्थन किया और कहा,÷हमारी सेवा ने स्वदेशी योजना से स्वदेशी हथियारों से दुश्मन की कब्र में आतंकवादियों की आखिरी कील ठोक दी है, ऑपरेशन सिंदूर ही नहीं सर्जिकल स्ट्राइक एयर स्ट्राइक को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए, एमपी ही नहीं देशभर के स्कूलों में पाठ्यक्रम को शामिल किया जाना चाहिए।बता दें कि उत्तराखंड में ऑपरेशन सिंदूर को पाठ्यक्रम में शामिल करने की बात के बाद बिहार भाजपा के साथ नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड ने भी यही मांग की है।

'मेरा हाल गरीब की जोरू, सबकी भाभी वाला हो गया है'

असदुद्दीन ओवैसी का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए दुनियाभर के देशों में भारतीय डेलीगेशन को भेजा जा रहा है। ऐसे में भोपाल से कांग्रेस के विधायक आरिफ मसूद ने बीते दिनों कई सांसदों को चिट्ठी लिखी थी। इस चिट्ठी में उन्होंने सांसदों से कहा था कि आप एक बार सरकार से पूछ लीजिए कि अगर मंत्री विजय शाह और कर्नल सोफिया कुरैशी मामले पर विदेश में सवाल पूछ लिया गया तो क्या जवाब देना है। इस पर AIMIM के मुखिया और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने प्रतिक्रिया दी है। ओवैसी के भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह आरिफ मसूद के बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

आरिफ मसूद को असदुद्दीन ओवैसी ने दिया जवाब : असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, भोपाल के विधायक हैं हमारे छोटे

भाई है। उन्होंने खत लिखा कि आप सरकार के डेलिगेशन में जा रहे हैं तो मध्य प्रदेश के वजीर ने हमारी सेना की बेबाक बेटी के बारे में अनाप-शनाप बक दिया। आप सरकार से पूछ लीजिए क्योंकि आप दूसरे देशों में जाएंगे, तो सरकार ने इस पर क्या किया, क्योंकि आप विदेश जाएंगे तो ये सवाल किए जाएंगे तो आपके पास क्या जवाब होगा। दुनिया में कोई ऐसा माई का लाल पैदा नहीं हुआ, जिसके सवाल का जवाब अल्लाह और उसके रसूल के सदके में ओवैसी न दे, तो मैं जवाब दे सकता हूं। असदुद्दीन ओवैसी ने आरिफ मसूद को जवाब देते हुए आगे कहा आपकी पार्टी के भी नेता जो रहे हैं न, हमसे ही पूछ रहे हैं। कोई बोल रहा है कि आप बीजेपी सांसदों के साथ क्यों जा रहे हैं? तो क्या पार्लियामेंट में नहीं बैठता उनके साथ। मेरा हाल तो ऐसा हो गया है, जैसे गरीब की जोरू, सबकी भाभी बन हुई है। अगर सरकार ने उन्हें डेलिगेशन में मौका दिया है तो इसका मतलब है कि वह जानती है कि असदुद्दीन ओवैसी बेबाकी से बोलता है। वो लोग भी ये दिल से मानते हैं, लेकिन जुबान से इकरार नहीं करते, वो अलग बात है। दरअसल गुरुवार को कांग्रेस विधायक ने आरिफ मसूद ने असदुद्दीन ओवैसी शशि थरूर समेत विदेश जा रहे प्रतिनिधिमंडल के सांसदों को पत्र लिख कर कहा था कि विदेश में आप ऑपरेशन सिंदूर की उपलब्धियां बताने जा रहे हैं ऐसे में अगर विदेशी मीडिया आपसे एमपी के मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में विवादित बयान पर सवाल पूछले इससे पहले आप केंद्र सरकार से पूछ लें कि इस विषय में क्या बोलना है।

दिल्ली में सरेआम कत्ल! नाबालिग पर चाकू से 15 बार किया हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में हत्या की एक और खौफनाक तस्वीर सामने आई है। यहां आरोपियों ने सरेआम एक नाबालिग पर चाकू से हमलाकर उसकी हत्या कर दी। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आरोपी को नाबालिग पर ताबड़तोड़ 15 से अधिक बार चाकू से हमला करते हुए देखा जा सकता है। पूरा मामला दिल्ली के बुराड़ी इलाके में गुरुवार का बताया जा रहा है। घटना के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायल अवस्था में

नाबालिग को अस्पताल पहुंचाया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि दोपहर 2 बजकर 32 मिनट पर पीसीआर पर एक कॉल रिसीव की गई। इसमें दिल्ली के बुराड़ी के गांधी चौक स्थित पिंकी कॉलोनी में चाकूबाजी की घटना के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस ने बताया कि कॉलर ने बताया कि नाबालिग लड़के के सीने पर चाकू से कई बार हमला किया गया है और पीड़ित लहूलुहान हालत में पड़ा हुआ है। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि नाबालिग की पहचान भलस्वा निवासी 16 वर्षीय किशोर के रूप में की गई। इसके बाद पुलिस की टीम ने आनन-फानन में घायल को पास के ही अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शुरुआती जांच में पुलिस को पता चला गया कि मृतक अपने दोस्त के साथ घर लौट रहा था।

उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ नरसिंहपुर में 26 मई को करेंगे कृषि उद्योग समागम का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इन्वेस्ट मध्यप्रदेश के अंतर्गत अनंत संभावनाओं के दृष्टिगत नरसिंहपुर में 26 मई को कृषि उद्योग समागम का आयोजन होगा। उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ समागम का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित मंत्रीगण, सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, उद्योगपति, किसान, आमजन आदि मौजूद रहेंगे। कृषि उद्योग समागम 2025 का आयोजन मध्यप्रदेश में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने, खाद्य प्रसंस्करण में निवेश आकर्षित करने, और किसानों को बेहतर बाजार से जोड़ने के लिए किया जा रहा है। यह समागम उद्योगपतियों कृषक उत्पादक संगठनों एवं नीति निर्माताओं के बीच संवाद, नीति प्रस्तुति एवं सहयोग के अवसर प्रदान करेगा। कार्यक्रम में उद्योग इकाइयों का शिलान्यास एवं लोकार्पण तथा उद्योगपतियों को भूमि आवंटन पत्र एवं आशय पत्रों का वितरण भी होगा। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, खेती को लाभकारी बनाने की दिशा में हरसंभव प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश का किसान सम्पन्न होगा तो प्रदेश और देश भी समृद्ध होगा। राज्य सरकार युवा, महिला और किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। कृषि उद्योग समागम में आधुनिक कृषि तकनीकों व उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। समागम में कृषि के साथ खाद्य प्र-संस्करण, उद्यानिकी और पशुपालन से संबंधित जानकारी मिलेगी।

जिला और प्राथमिक स्तर पर रक्तस्राव विकारों के लिए विशेष सेवाओं का विस्तार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश की स्वास्थ्य प्रणाली को समावेशी और रोगी-केंद्रित बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिसमें हीमोफिलिया, सिकल सेल और अन्य गैर-संचारी रोगों के उपचार के लिए समान प्राथमिकता मिल रही है। एनएचएम द्वारा जिला और प्राथमिक स्तर पर रक्तस्राव विकारों के लिए विशेष सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। यह बात राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की संचालक डॉ. सलोनी सिडाना ने कही। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम एक हीमोफिलिया रजिस्ट्री तैयार कर रहे हैं। इसे अधिक गतिशील और पोर्टेबल बनाए जाने की आवश्यकता है ताकि रोगियों को किसी भी जिले में निर्बाध उपचार मिल सके। उन्होंने कहा कि क्लॉटिंग फैक्टर थेरेपी उपचार की आधारशिला है, लेकिन एमिसिजुमैब जैसी नॉन-फैक्टर थेरेपी अब संभावनाओं के नए द्वार खोल रही हैं, जिन्हें हमें राज्य की सेवा प्रणाली में सम्मिलित करने के तरीके तलाशने होंगे। इसके लिए रोगियों और स्वास्थ्यकर्मियों दोनों में जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। एनएचएम भोपाल, हीमोफिलिया सोसाइटी, मध्यप्रदेश चैप्टर (भोपाल), गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में प्रदेश में हीमोफिलिया से पीड़ित मरीजों के लिए समान, सुलभ और प्रभावी उपचार ढांचे की दिशा में ठोस नीति तैयार करने के उद्देश्य से एक दिवसीय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में हीमोफिलिया के उपचार और प्रबंधन को लेकर महत्वपूर्ण सिफारिशें की गईं। प्रमुख राष्ट्रीय हेमेटोलॉजिस्ट, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, नीति निर्माता, रोगी प्रतिनिधि और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में शामिल हुए।

समग्र पोर्टल मई तक अस्थाई रूप से रहेगा बंद

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा संचालित समग्र पोर्टल एवं इससे संबंधित समस्त एप्लिकेशंस के लिए सर्वर संधारण एवं सुधार कार्य किया जाना है। मेंटेनेंस गतिविधियों के लिए समग्र पोर्टल को दिनांक 22 मई शाम 7 बजे से लेकर 26 मई 2025 प्रात: 8 बजे तक अस्थायी रूप से बंद रखा जाएगा। प्राधिकृत अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार सर्वर मेंटेनेंस के बाद समग्र एप्लिकेशन की दक्षता और कार्यक्षमता में सुधार होगा, जिससे उपयोगकर्ताओं को समग्र एप्लिकेशन सॉफ्टवेर से और बेहतर सेवाएं प्राप्त होंगी।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की नीति, नीयत और निर्णायक शक्ति की त्रिवेणी: राज्यमंत्री गौर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर कोई सामान्य सैन्य अभियान नहीं, यह भारत की नीति, नीयत और निर्णायक शक्ति की त्रिवेणी है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर गुरुवार को इन्द्र?पुरी गोविन्दपुरा भोपाल में भारतीय सेना के सम्मान में आयोजित सिंदूर यात्रा के शुभारंभ अवसर पर मातृशक्ति को संबोधित कर रही थी।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि मिट्टी में मिल गये है वो, जिसने हमको ललकारा है, भारत ने गद्दारों को फिर घर में घुसकर मारा है। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है अपने देश की सेना पर, अभिमान है सेना के शौर्य और पराक्रम पर। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने पूरे विश्व को दिखा दिया कि भारत की शक्ति, भारत की ताकत, भारत की क्षमता को कोई भी कम समझने की भूल नहीं करें।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि आज हम सब ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता का उत्सव मनाने जुटे हैं। हमारी जाबांज सेना का यह एक ऐसा अभियान था, जिसने भारत की शक्ति, रणनीति और अदम्य इच्छाशक्ति को पूरी दुनियां के सामने रखा। उन्होंने कहा कि आप सबने देखा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में जब आतंकवादियों ने हमारी बहनों, बेटियों के सिंदूर पर हमला किया तो हमारी भारतीय सेना ने आतंक का सिर कुचलने में देरी नहीं की। हमारी पराक्रमी सेना ने ये बता दिया कि जब अधर्म सिर उठाता है तो धर्म का रक्षक शस्त्र उठाता है। यही हमारी परंपरा है और इसी परंपरा का निर्वाह हम करते है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि हमारी भारतीय सनातन संस्कृति में जिस सिंदूर को मातृशक्ति अपनी, मांग

में लगाते हुए अपने अमर सुहाग की कामना करती है, वही सिंदूर आज उन वीर सैनिकों की पत्नियों के मस्तक पर हमने लगाया, जिन्होंने अपने सुहाग को मातृभूमि की रक्षा के लिये समर्पित किया है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया कि अगर पाकिस्तान ने फिर से आतंकी गतिविधि या सैन्य दुस्साहस करने की कोशिश की तो हम उसका मुंह तोड़ जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि हम अपनी सेना का अपने बहादुर सैनिकों का केवल युद्ध में नहीं बल्कि हर मोर्चे पर सम्मान और आदर देंगे। यात्रा को संबोधित करते हुए श्री हितानंद शर्मा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के पश्चात् आयोजित सिंदूर यात्रा सेना के सम्मान में है। उन्होंने कहा कि हमारी बहनों के सिंदूर पर हमला करने वालों को हमारे सैनिकों ने घर में घुस कर मारा है।

मध्यप्रदेश की डिजाइन से 220 और 132 के.व्ही. के टॉवर छत्तीसगढ़ में होंगे तैयार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बाताया है कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी का तकनीकी ज्ञान अब मध्यप्रदेश के विद्युत विस्तार में योगदान देगा। छत्तीसगढ़ 400 केवी के टॉवर की डिजाइन मध्यप्रदेश को देगा और मध्यप्रदेश के 220 केवी और 132 केवी के टॉवर की डिजाइन लेगा। इस तकनीक व कौशल के आदान-प्रदान से दोनों प्रदेश की पॉवर कंपनी का लाभ होगा। इस नई तकनीक से ट्रांसमिशन कंपनी के विशाल टावरों के स्थापना में कम भूमि की जरूरत पड़ेगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह ने कहा कि प्रौद्योगिकियों के परस्पर विनियम से सभी पक्षों की दक्षता बढ़ती है। इसका लाभ दोनों राज्यों को मिलना सुखद है। प्रौद्योगिकीय उन्नयन से ही भावी चुनौतियों का सामना किया जा सकेगा। एमडी श्री राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि दोनों कंपनी के आपसी सहयोग व तकनीक साझेदारी का लाभ दोनों राज्यों को मिलेगा।

इससे अत्याधुनिक पारेषण प्रणाली, तकनीक और प्रशिक्षण का आदान-प्रदान हो सकेगा।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी और मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के बीच जबलपुर के शक्ति भवन में अनुबंध हुआ। इसमें छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (योजना, वाणिज्यिक एवं विनियामक मामले) श्री के. एस. मनोठिया और मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री समीर नगोटिया (वाणिज्यिक एवं विनियामक मामले) ने हस्ताक्षर किये।

इस अवसर पर एमपीपीटीसीएल के प्रबंध निदेशक इंजी. सुनील तिवारी विशेष रूप से उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी को 400 केवी अति उच्च दाब टॉवर खड़ा करने में विशेष दक्षता हासिल है। इसकी डिजाइन को छत्तीसगढ़ ने केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई) बैंगलोर को भेजा था, जहां वेटिंग, चेकिंग और स्क्रूटनी के पश्चात् टॉवर स्ट्रक्चर की डिजाइन को बेहतर माना गया।

ऊंची इमारतों/कॉलोनियों में बनाए जाएंगे अतिरिक्त मतदान केंद्र

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल व सुविधा जनक बनाने के लिए 18 नई पहल शुरू की गई है। आयोग द्वारा मतदान केन्द्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या 1200 तक सीमित कर दी गई है। ऊंची इमारतों/कॉलोनियों में अतिरिक्त मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। मतदाता सूची अद्यतनीकरण के लिए, मृत्यु पंजीकरण का डेटा सीधे आरजीआई डेटाबेस से प्राप्त किया जाएगा। सत्यापन के बाद इसे अद्यतन किया जाएगा।

मतदाता सूचना पर्चियों को मतदाताओं के लिए अधिक अनुकूल बनाया जाएगा। मतदाता की क्रम संख्या और भाग संख्या अब अधिक प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी। सीईओ/डीईओ/ईआरओ स्तर पर अखिल भारतीय सर्वदलीय बैठकें आयोजित की गईं। 4 हजार 719 बैठकें आयोजित की गईं। इसमें (सीईओ-40/डीईओएस-800/ईआरओएस-3879) और 28,000 से अधिक राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों आप/भाजपा/बसपा/माकपा/एनपीपी के प्रमुखों के साथ चुनाव आयोग ने बैठकें की।

आईआईआईडीईएम (बिहार, तमिलनाडु और पुडुचेरी) में राजनीतिक दलों के बूथ स्तर के एजेंटों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम किया गया। सभी हितधारकों को एक ही स्थान पर सभी सेवाएं प्रदान करने के लिए नए एकीकृत डैशबोर्ड - की शुरूआत की गई। डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबर के मुद्दे का समाधान किया गया। अद्वितीय ईपीआईसी नंबर के लिए नई व्यवस्था लागू की गई। मतदाता सूची तैयार करने और चुनाव कराने की पूरी प्रक्रिया में 28 हितधारकों की पहचान की गई, जिनमें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, 1951, मतदाता पंजीकरण नियम 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के आधार पर मतदाता, चुनाव अधिकारी, राजनीतिक दल, उम्मीदवार और अन्य शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक हितधारक के लिए आयोग के अधिनियमों, नियमों और निर्देशों के आधार पर प्रशिक्षण प्रस्तुतियाँ तैयार की जा रही हैं। बीएलओ से मानक फोटो पहचान पत्र प्राप्त किया जाएगा।

आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

जल है जीवन की धारा, कल का यही सहारा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में जन सामान्य को पानी के महत्व को समझाने के लिये अनेक स्लोगन तैयार किये गये हैं। इन स्लोगन के पोस्टर और दीवार लेखन से समाज के सभी वर्गों में जन जागरूकता फैलाने के व्यापक स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। इसी का प्रभाव है कि प्रदेश में जल संरचनाओं की साफ-सफाई में जनता की भागीदारी दिनोदिन बढ़ती जा रही है।

बुरहानपुर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान जल संरक्षण के सिद्धांत को अपनाने पर जोर देता है। इस अभियान में बुरहानपुर अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अभियान में ग्राम पंचायत धुलकोट में फार्म पौंड निर्माण कार्य जारी है। इस कार्य में ग्रामीणजन स्वयं आगे आकर

सहभागिता कर रहे है। पौंड निर्माण कार्य से वर्षा का जल संचित किया जा सकेगा और आस-पास के भूजल स्तर में भी वृद्धि होगी। जिले में जल संग्रहण संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल स्त्रोतों और जल वितरण प्रणालियों की साफ-सफाई इत्यादि कार्य प्राथमिकता के साथ किये जा रहे हैं। उमरिया जिले में जिला शहरी एवं विकास अभिकरण ने जन भागीदारी से नगरीय निकायों में शहरी क्षेत्रों और टाउनशिप के उजड़े बाग बगीचों को चिन्हांकित कर हरित विकास किया जा रहा है। नगर पालिका परिषद उमरिया में अमृत 2.0 के अंतर्गत लालपुर पानी टंकी के पास 45 लाख रूपये की लागत से बनने वाले पार्क के निर्माण का कार्य 30 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। वार्ड नंबर 14 में कन्या स्कूल के सामने 10 लाख रूपये की लागत से बनने वाले पार्क निर्माण का कार्य 25 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। इसी तरह वार्ड नंबर 12 सत्संग भवन के पास 50 लाख रूपये की लागत से बनने वाले पार्क का निर्माण का कार्य 30 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। इसी तरह नगर पालिका परिषद पाली में अमृत 2.0 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 13 में सांई मंदिर के सामने 33.20 लाख रूपये की लागत से बनने वाले पार्क निर्माण का कार्य 40 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।

हमारे देश के वीर सैनिकों और मातृशक्ति को समर्पित है तिरंगा यात्रा : मंत्री श्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जब भी देश की बात आती है, देश पर संकट आता है तो हमारे देश का हर नागरिक अपनी सेना का हौसला बुलंद करने के लिए आगे आता है। यह बात खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने राहतगढ़ में आयोजित तिरंगा यात्रा पर कही। उन्होंने कहा कि कश्मीर को लेकर पाकिस्तान आतंकवादी हरकतें करता रहा है। हद तो तब हो गई जब पुलवामा में निर्दोष लोगों के लिए निशाना बनाया गया। उस समय हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा था जवाब तो मिलेगा और हमारी सेना ने पाकिस्तान को चंद घंटों में ही घुटने पर

लाकर खड़ा कर दिया। भारत के सैनिकों एवं हमारे देश की मातृशक्ति के सम्मान में यह तिरंगा यात्रा पूरे देश में निकाली गई है। अब यह नया भारत है, जिसकी अखंडता एकता और संप्रभुता पर किसी ने आंख उठाई तो भारत पूरी ताकत से जवाब देने के लिए तैयार है। हम सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक हैं। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि अगर पाकिस्तान ने कोई भी हरकत की तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर जश्न मनाने के लिए देशभर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। इसी अनुक्रम में सुरखी विधानसभा क्षेत्र के राहतगढ़ में सेना के पराक्रम और शौर्य को सम्मानित करने के लिये भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। राहतगढ़ बस स्टैंड से प्रारंभ तिरंगा यात्रा में भारत माता की जय, सेना के वीर जवानों की जय,जय हिंद, सेना के सम्मान में हम सब मैदान में,आवाज दो हम एक है ज जयघोष की गूंज और देशभक्ति गीतों की ओजस्वी धुन के साथ प्रारंभ हुई। राहतगढ़ वासियों ने पुष्प वर्षा कर तिरंगा यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया।

मंत्री टेटवाल ने उज्जैन आईटीआई में सशक्त कौशल प्रयोगशाला का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने उज्जैन स्थित शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) में सीमेंस कंपनी के सीएसआर फंड से निर्मित अत्याधुनिक प्रयोगशाला का शुभारंभ किया। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि उनका विद्यार्थी जीवन आईटीआई से जुड़ा रहा है और यही उनकी पहचान का आधार भी रहा है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान में आकर गौरव का अनुभव हो रहा है। सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि आईटीआई न केवल

शिक्षा का माध्यम है, बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत रास्ता भी है। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता में तकनीकी संस्थान, प्रशिक्षण में गुणवत्ता को केंद्र में रखा गया है मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि तकनीकी शिक्षा को उन्नत बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण केंद्रों में अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त प्रयोगशालाएं तैयार की जा रही हैं जिससे विद्यार्थी व्यवहारिक ज्ञान के साथ स्वरोजगार और प्लेसमेंट के लिए तैयार हो सकें। उज्जैन में तैयार यह लैब उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि भोपाल में विकसित ग्लोबल स्किल पार्क जैसे संस्थान युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, इंडस्ट्री 4.0, मेक्ट्रोनिक्स, एआर/वीआर और ड्रोन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में दक्ष बना रहे हैं। प्रशिक्षण के बाद युवाओं को 100 प्रतिशत प्लेसमेंट के अवसर मिल रहे हैं, साथ ही स्वरोजगार की संभावनाएं भी मजबूत हुई हैं।

मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में परचम लहरा रही हैं।

जैव विविधता का संरक्षण जीवन के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण -राज्य वन मंत्री अहिरवार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री दिलीप सिंह अहिरवार ने कहा कि जैव विविधता का संरक्षण हमारे जीवन के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमें जैव विविधता के महत्व को समझने और उसके संरक्षण के लिये प्रयास करने होंगे। मंत्री श्री अहिरवार नरोन्हा प्रशासन अकादमी में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जैव विविधता के संरक्षण के लिये सरकार के साथ मिलकर समाज को भी काम करना होगा।

राज्य मंत्री श्री अहिरवार ने कहा कि वन विभाग द्वारा संघर्ष एवं चुनौती के साथ प्रकृति और पेड़-पौधों को संरक्षित करने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पथरीली जमीन पर भी कठिन परिश्रम से पौधे लगाकर वन तैयार करने का प्रशंसनिय कार्य वन विभाग के अधिकारी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में विलुप्त हो रहे जीवों के संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में विलुप्त हो रहे किंग कोबरा को वन विहार में बेंगलुरू (कर्नाटक) से लाया गया है। वन विभाग गिद्ध, घड़ियाल और मगरमच्छ के भी संरक्षण का कार्य कर रहा है। मंत्री श्री अहिरवार ने अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर सभी को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मंत्री श्री अहिरवार ने अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर राज्य स्तरीय वार्षिक जैव विविधता पुरस्कार, राज्य स्तरीय वार्षिक जैव विविधता पुरस्कार 2023-24 और मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय जैव विविधता क्विज प्रतियोगिता के पुरस्कारों का वितरण किया। उन्होंने इस अवसर पर जैव विविधता पर आधारित पोस्टर का विमोचन भी किया। मंत्री श्री अहिरवार ने कार्यक्रम स्थल पर जैव विविधता वनस्पति स्टॉल प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मंत्री श्री अहिरवार ने कार्यक्रम में जैव विविधता आधारित नुक्कड़ नाटक भी देखा।

मूंग की खेती के विकल्पों पर कृषि वैज्ञानिक करेंगे प्रबोधन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। म.प्र. जन अभियान परिषद् और भारत भारती शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में मूंग की वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय कृषक सम्मेलन आरै कार्यशाला का आयोजन 24 मई 2025 को भारत भारती परिसर, बैतूल में किया जाएगा। इस आयोजन में बैतूल, नर्मदापुरम और हरदा जिलों के चयनित कृषक सहभागिता करेंगे। उन्हें जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक वैकल्पिक फसलों पर प्रबोधन देंगे।

जन अभियान परिषद् के निदेशक (सेल) डॉ. वीरेन्द्र कुमार व्यास ने बताया कि मूंग की फसल उत्पादन से प्रकृति और पर्यावरण को हो रहे नुकसान को देखते हुए मध्यप्रदेश शासन इसकी वैकल्पिक फसलों को प्राथमिकता देने की दिशा में प्रयासरत है। इसी कड़ी में कृषकों और समाज के उन्मुखीकरण के लिये यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला में मूंग उत्पादक कृषकों के साथ जैविक कृषि से जुड़े कृषक भी शामिल होंगे। यहाँ नवाचार के विभिन्न आयामों पर चर्चा की जाएगी। म.प्र. जन अभियान परिषद् के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ने बताया कि यह सम्मेलन मिट्टी सुपोषण, मानव स्वास्थ्य और स्वस्थ पर्यावरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें कृषक समुदाय की सक्रिय सहभागिता अपेक्षित है।

गिग-प्लेटफार्म वर्कर्स के पंजीयन के लिए विशेष अभियान 21 से 30 मई तक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सहायक श्रम पदाधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि भारत सरकार, श्रम मंत्रालय द्वारा गिग व प्लेटफार्म वर्कर्स का ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन करने हेतु पुनः दिनांक 21 मई से 30 मई 2025 तक विशेष पंजीयन अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है।श्रम आयुक्त द्वारा पंजीयन अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु दिनांक 21.05.2025 से दिनांक 30.05.2025 तक जिले में पंजीयन शिविरों का आयोजन कर गिग प्लेटफार्म वर्कर्स के मध्य जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार के माध्यम से शिविरों में लाकर उनका पंजीयन किये जाने के निर्देश दिए गये हैं।

जिले में दिनांक 21.05.2025 से दिनांक 30.05.2025 की अवधि में विशेष पंजीयन शिविर आयोजित कर गिग-प्लेटफार्म वर्कर्स और उनके नियोजकों/एग्रीगेटर्स के मध्य प्रचार-प्रसार करते हुए पंजीयन हेतु प्रेरित किया जाना है। समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं नगर परिषदों को निर्देशित किया गया है कि उक्त निर्देश का पालन करते हुए अपने-अपने निकायों में दिनांक 21.05.2025 से 30.05.2025 तक शिविर का आयोजन आयोजित कर गिग-प्लेटफार्म वर्कर्स का पंजीयन कराया जाना सुनिश्चित करें।

वनाधिकार एक्ट का क्रियान्वयन करते हुए वनों के संरक्षण पर भी ध्यान देना आवश्यक

मीडिया ऑडीटर, रीवा/सीधी (निप्र)। वनाधिकार अधिनियम की रीवा और शहडोल संभाग की संयुक्त कार्यशाला विन्ध्या रिट्रीट होटल रीवा के सभागार में आयोजित की गई। कार्यशाला के प्रथम दिन वनाधिकार समिति के सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला के दूसरे दिन जिला स्तरीय वनाधिकार समिति के सदस्यों को सामुदायिक दावों के निपटारे के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि वनाधिकार अधिनियम ने पीढ़ियों से वन भूमि में खेती करने वाले तथा रहने वाले जनजातीय परिवारों एवं अन्य परिवारों के अधिकारों को मान्यता दी है। इसने वर्षों से वनों के साथ सह अस्तित्व में वनवासी परिवारों को जमीन का मालिकाना हक दिया है। जनजातीय परिवार परंपरागत रूप से वनों के पोषक और संरक्षक हैं। उनकी आजीविका मुख्य रूप से वनों पर ही निर्भर रही है। उनके रीति रिवाज, परंपराएं और धार्मिक अनुष्ठानों में भी वन अनिवार्य रूप से शामिल रहा है।

वनाधिकार अधिनियम से व्यक्तिगत दावे में बहुत अच्छा कार्य हुआ है। अब सामुदायिक दावों को भी मान्यता देकर जनजातीय परिवारों की हमें सहायता करनी है। जनजातीय परिवार अगर न होते तो आज वन भी नाममात्र के ही बचे होते। कार्यशाला में शहडोल संभाग के कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने कहा कि कार्यशाला में सामुदायिक दावों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। सामुदायिक दावों के निराकरण के लिए अब किसी के मन में संदेह नहीं रहना चाहिए।

वनाधिकार अधिनियम के तहत दर्ज सामुदायिक दावों का तत्परता से निराकरण करें। मुख्य वन संरक्षक रीवा राजेश राय ने कार्यशाला में कहा कि वनाधिकार अधिनियम ने जनजातीय परिवारों को भू अधिकार पत्र देकर उनके जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन किया है। व्यक्तिगत दावों के साथ-साथ वन भूमि में निस्तार और सामुदायिक उपयोग को भी एक्ट में मान्य किया गया है। इसके सामुदायिक दावों को मान्य करते हुए वन संरक्षण पर भी ध्यान देना आवश्यक है। वनों का संरक्षण करने वालों को ही वनाधिकार का लाभ दिया जाना चाहिए। शहडोल संभाग के सीसीएफ श्री एसके पाण्डेय ने कहा कि कार्यशाला में दी गई जानकारी से सामुदायिक दावों के निराकरण के लिए सही मार्गदर्शन मिला है। सामुदायिक दावों में किसी तरह का टकराव नहीं है। गांव की राजस्व सीमा, वनों का क्षेत्र तथा सामुदायिक कार्यों के लिए समुदाय के अधिकार तीनों पर हमें ध्यान देना होगा।

कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर वाई गिरि राव ने कहा कि सामुदायिक दावे से वन, राजस्व, जनजातीय कार्य और ग्रामीण विकास विभाग जुड़े हैं। अधिनियम के तहत गठित समितियों को राज्य से लेकर ग्राम स्तर तक कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश के 54903 गांवों में से 26555 गांवों में वनाधिकार एक्ट के दावे मान्य किए गए हैं। राष्ट्रीय वन नीति, वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम तथा पर्यावरण संरक्षण को ध्यान रखते हुए सामुदायिक दावे मान्य किए जाएंगे। वन भूमि अथवा उसके आसपास के क्षेत्र में परंपरागत रूप से रहने वाले परिवारों को वन क्षेत्र में स्थित धार्मिक स्थल में पूजा-पाठ करने, जल श्रोतों के दोहन, मछलीपालन, वनोपज संग्रहण एवं निस्तार के दावे इसमें शामिल होंगे।

कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर श्री शरद लेले ने कहा कि वनाधिकार अधिनियम वन क्षेत्र में गैर वनीय कार्य को मान्यता देता है। सामुदायिक दावों में पूजा-पाठ, वनोपज संग्रहण, परंपरागत मार्ग से आने-जाने, पानी भरने तथा अन्य निस्तार शामिल हैं। सामुदायिक दावों में समुदाय के अधिकार के साथ-साथ उनके स्थल और क्षेत्र का भी निर्धारण किया जाना आवश्यक है। यदि एक गांव के निस्तार के दावे पर विचार किया जा रहा है तो आसपास के गांवों की भी उसमें सहमति आवश्यक होगी। गांव में उपलब्ध दस्तावेजों अथवा बुजुर्गों के कथन के आधार पर गांव की सीमा का निर्धारण किया जा सकता है। श्री लेले ने व्यक्तिगत दावे तथा सामुदायिक दावे दर्ज करने के लिए आवश्यक अभिलेखों एवं प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में वन-राजस्व सीमा विवाद के निराकरण के लिए वनों के व्यवस्थापन, पेसा एक्ट तथा वन संरक्षण के उपायों पर भी चर्चा की गई।

कार्यशाला में रीवा, सीधी, सतना, शहडोल, अनूपपुर, मऊगंज तथा मैहर जिलों के कलेक्टर शामिल रहे। कार्यशाला में रीवा और शहडोल संभाग के जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, वन मण्डलाधिकारी, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, जिला संयोजक ट्राईबल उपस्थित रहे। कार्यशाला के समापन पर उपायुक्त ट्राईबल ऊषा अजय सिंह ने आभार व्यक्त किया।

विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में सुश्री सरिता चौधरी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी द्वारा दिनांक 23.05.2025 को ग्राम पंचायत पनवार चौहनन टोला जिला सीधी में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

उक्त शिविर में सुश्री सरिता चौधरी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी द्वारा उपस्थित वृद्धजनों एवं महिलाओं हेतु वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम 2007, गृह हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 तथा भारतीय दंड सहित के तहत सुरक्षा संबंधी प्रावधानों पर प्रकाश डाला गया। साथ ही, यह भी समझाया गया कि कैसे व्यक्ति कोर्ट के माध्यम से अपने भरण-पोषण का दावा कर सकता है और किसी प्रकार के उत्पीड़न या खतरे की स्थिति में किस प्रकार की सुरक्षा प्राप्त कर सकता है।

आपके द्वारा कहा गया कि प्रत्येक नागरिक का यह मौलिक अधिकार है कि वह सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन जिए जब व्यक्ति स्वयं सक्षम न हो तो वहां समाज एवं राज्य का दायित्व है कि उसे भरण-पोषण एवं सुरक्षा प्रदान की जाए। न्यायपालिका इस दिशा में जन-जागरूकता को एक महत्वपूर्ण कदम मानती है। उपस्थित ग्रामीण वासियों को नालसा द्वारा आयोजित योजनाओं के पम्पलेटों का वितरण किया गया है।

उक्त शिविर में सुश्री सरिता चौधरी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी, ग्राम पंचायत पनवार चौहनन टोला के पदाधिकारीगण एवं पूर्व सरपंच वीरेन्द्र सिंह चौहान, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण एवं ग्रामीण जन उपस्थिति रहें।

संकुल स्तर पर शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लंबित स्वमित्वों के भुगतान का निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला शिक्षा अधिकारी सीधी ने समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, समस्त संकुल प्राचार्य हाई एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को पत्र भेजकर निर्देशित किया है कि समस्त संकुल प्राचार्य उनके संकुल अंतर्गत शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लंबित स्वत्वों का भुगतान एक सप्ताह के भीतर कर इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें कि आपके संकुल केन्द्र के अंतर्गत किसी भी लोकसेवक का कोई भी स्वत्व भुगतान किया जाना शेष नही है। इसके बाद भी यदि शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित संकुल प्राचार्य को कारण बताओं सूचना पत्र जारी न करते हुये उनके विरूद्ध में कार्यवाही का प्रस्ताव अविलंब भेज दिया जावेगा।

जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि प्रायः देखने में आया है कि संकुल अंतर्गत कर्मचारियों के डीए एरियर,वेतन वृद्धि एरियर, वेतन निर्धारण एरियर, वेतन एरियर का भुगतान न होने के कारण कर्मचारीगण आये दिन जनसुनवाई एवं जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत करते रहते है जबकि इन स्वत्व का भुगतान संकुल स्तर से किया जाता है। कर्मचारियों को प्रताड़ित करने के लिये उनके स्वत्वों का भुगतान समय-सीमा में न करते हुये विलंब के कारण शिकायत की स्थिति निर्मित होती है।

संकुल स्तर पर एक सप्ताह तथा विकासखंड स्तर पर 15 दिन में समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि प्रायः देखने में आया है कि कर्मचारीगण किसी भी कार्य को कराने के लिये सीधे सीएम हेल्पलाईन में शिकायत कर देते है जबकि जो भी स्वत्व उनका शेष हो उसके लिये प्रथमतः संकुल प्राचार्य यदि संकुल प्राचार्य से कार्य पूर्ण नहीं होता तो विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में वहां भी पूर्ण न होने पर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत करे।

संकुल प्राचार्य एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी यह ध्यान रखे की यदि संकुल स्तर का कार्य है तो एक सप्ताह के भीतर पूर्ण करना होगा। विकासखण्ड स्तर का है तो 15 दिवस के भीतर विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी प्रकरण को संज्ञान लेते हुये उसे निराकृत कराना सुनिश्चित करें। यदि प्रकरण जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में प्राप्त होता है तो संबंधित कक्ष प्रभारी एक सप्ताह के भीतर प्रकरण को निराकृत कर फाईल नस्तीबद्ध कराने की कार्यवाही सुनिश्चित करें।

समस्त संकुल प्राचार्य अपने अधीनस्थ लोकसेवको को इस संबंध में अवगत कराये तथा यदि ऐसे प्रकरण लंबित है तो तत्काल उसे निराकृत करे। यदि उनके स्तर का नहीं है तो विकासखण्ड शिक्षा कार्यालय को प्रस्तुत करें जिससे कर्मचारी को शिकायत करने का अवसर प्राप्त न हो। यदि संकुल स्तर एवं विकासखण्ड स्तर तथा जिला शिक्षा अधिकारी स्तर से निराकृत नहीं होता है तो समस्त लोक सेवको के लिये एम शिक्षा मित्र एप में परिवेदना निवारण प्रबंधन प्रणाली में शिकायत दर्ज करने की सुविधा प्राप्त है उसमें अपनी शिकायत दर्ज कराये न कि सीएम हेल्पलाईन में शिकायत करे। इस पत्र के बाद भी यदि कोई लोकसेवक नियम विरूद्ध शिकायत करता है तथा संकुल प्राचार्य एवं विकासखण्ड स्तर में प्रकरण लंबित है तो शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित संकुल प्राचार्य एवं संबंधित विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी के विरूद्ध तत्काल कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जावेगी।

खटोला स्थित वृंदावन आश्रम कुंड की हुई सफाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में जल गंगा सवंर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शुक्रवार को नगर परिषद कोठी के वार्ड क्रमांक 9 में खटोला स्थित वृंदावन आश्रम कुंड की सफाई कराई गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किया गया श्रमदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में जल गंगा सवंर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत जल संरचनाओं के पुर्नजीवीकरण/संरक्षण अभियान अन्तर्गत शुक्रवार को रामपुर बघेलान नगर परिषद के सीएमओ अरुण कुमार श्रीवास्तव एवं स्वच्छता नोडल विश्वजीत कुशवाहा द्वारा वार्ड क्रमांक 15 नर नदी के घाट के पास जन सहयोग से सफाई, स्वच्छता श्रमदान एवं नदी के आसपास की सफाई का कार्य किया गया।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कहा कि ऐसे अभियानों के माध्यम से हम जल संरचनाओं को स्वच्छ कर परिवर्तन संरक्षण में अहम भागीदारी दे सकते हैं। यदि हम सब मिलकर पर्यावरण को बचाने की कोशिश नहीं करेंगें तो भविष्य में हमारे लिए बहुत मुश्किलें आयेंगी। पृथ्वी एक ही है और हम सबकी है, इसीलिए इसके संरक्षण का दायित्व हम सबका है।

इस अभियान में मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि अशोक सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष कमलेश कचेर, दिलीप सोनी, सुन्दर गुप्ता, प्रशान्त सिंह, सुरेन्द्र सिंह, सफाई पर्यवेक्षक इसराइल सौदागर, लक्ष्मण प्रसाद, संजय सेन, अमर सिंह, विनोद द्विवेदी, तबील खान सहित नगर परिषद के सभी सफाई कर्मचारी एवं नगर के नागरिकगण उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय दो दिवसीय प्रवास पर सतना आयेंगे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री तथा सतना जिले के प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय 25 मई को प्रातः 6.30 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से सतना आयेंगे। निर्धारित कार्यक्र मानुसार प्रभारी मंत्री श्री विजयवर्गीय प्रातः 7 बजे सर्किट हाउस पहुंचेंगे।

इसके बाद प्रभारी मंत्री प्रातः 9 बजे सतना से चित्रकूट लिए प्रस्थान कर प्रातः 10 बजे से चित्रकूट के स्थानीय कार्यक्र म में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री रात्रि विश्राम चित्रकूट में करेंगे। प्रवास के दूसरे दिन 26 मई को प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय चित्रकूट में स्थानीय कार्यक्र म में शामिल होने के बाद दोपहर 3 बजे चित्रकूट से प्रस्थान कर सायं 4.30 बजे सतना आयेंगे और यहां स्थानीय कार्यक्र मों में शामिल होंगे। इसके पश्चात प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय सतना से रात्रि 8.50 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

देवी अहिल्या बाई जयंती पर भारत विकास परिषद ने की संगोष्ठी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर की त्रि शताब्दी जयंती पर भारत विकास परिषद मातृ शक्ति ने संगोष्ठी का आयोजन स्थानीय आई टी आई कॉलेज में दिनांक 23 मई 2025 को एडवोकेट आभा अग्रवाल उपाध्यक्ष भारत विकास परिषद मातृ शक्ति प्रमुख सतना एवं अनमोल केशरवानी जी की अगुआई में किया गया। ि

जसमें प्रमुख वक्ता के रूप में श्रीमती अनीता ताम्रकार जी ने देवी अहिल्या बाई जी द्वारा मंदिरों के जीर्णोद्धार पर प्रकाश डाला, श्रीमती अनमोल केशरवानी जी ने उनका जीवन परिचय रोचक तरीके से बताया एवं श्रीमती नीति जैन जी ने उनके विचारों का आधुनिक समाज में उपयोगिता के बारे में बताया। एड.आभा अग्रवाल जी नेभारत विकास का संक्षिप्त परिचय एवं हमे देवी अहिल्या बाई जी के जीवन से क्या सीख मिलती है इस विषय प्रकाश डाला।श्रीमती रेनू तिवारी जी ने प्राचार्य श्री बी डी तिवारी जी एवं समस्त विद्यालय प्रबंधन और सभी विद्यार्थियों का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में भारत विकास परिषद मातृ शक्ति में प्रमुख रूप से श्रीमती क्रांति जैन जी , कोषाध्यक्ष श्रीमती सोनिया खण्डेलवाल जी , नीति जैन जी अनीता ताम्रकार जी, अनमोल केशरवानी जी रही। कॉलेज की समस्त टीचर्स और विद्यार्थियों का पूर्ण सहयोग से कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

साईं ईश्वरशाह साहिब जी के स्वागत में निकली वाहन रैली

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना हाजरा हजूर सतगुरु साईं ईश्वरशाह साहिब जी के नगर आगमन की खुशी में हरे माधव सेवादारियों एवं समाजसेवी द्वारा 23 मई शुक्रवार को विशाल वाहन रैली निकाली गई यह रैली हरे माधव दरबार से प्रारंभ होकर सिन्धी कॉलोनी एवं शहर के प्रमुख मार्ग से होते हुए हरे माधव दरबार में हरे माधव की गूंज के साथ संपन्न हुई।

दरबार के सेवादारी सुरेश बाघाणी ने बताया सतगुरु साईं ईश्वरशाह साहिब जी के सतना नगर आगमन पर 24 मई शनिवार शाम 7 से सतगुरु साईं ईश्वरशाह साहिब जी की शोभायात्रा शिव चौक से प्रारंभ होकर बाबा दयाल दास चौक माधव गुणवंती हाल होते हुए दरबार में संपन्न होगी। शोभा यात्रा का समाज द्वारा जगह जगह पर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया जाएगा

25 मई दिन रविवार को सी एम ए ग्राउंड परिसर में हाजरा हजूर सदगुरु साईं ईश्वरशाह साहब जी की पावन हजूरी में हरे माधव सत्संग का आयोजन किया गया है सत्संग के पश्चात ब्रह्म भोज [आम भंडारे] का भी आयोजन किया गया है

रविंद्र पंजवानी नंदलाल रोहड़ा गोपी गेलानी श्रीचंद मनवानी सतीश सुखेजा फेरुमल तोलवानी संजय तीर्थवानी चंद्रकांत वाधवानी कन्हैया लाल पोहानी राजेश लालचंदानी मोहन भावनानी मनोहर शुगानी संजय आहूजा रूपेश वलेचा मनोहर डिगवानी सुनील सेनानी गिरधारी लाल वाधवानी मनोहर आहूजा राजलदास आडवाणी हीरा सोनी कालू पुरुस्वानी अशोक चांदवानी केशव माखीजा महेश गांधी जेठानंदवाधवानी मनीष टेकवानी मनोहर लाल वाधवानी मनोहर आरतानी दीपक वलेजा दिलीप जिंदवानी ने सर्व समाज से शोभा यात्रा में शामिल होने एवं हाजरा हजूर सतगुरु साईं ईश्वरशाह साहिब जी की पावन हजूरी में आयोजित हरे माधव सत्संग में ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित होकर सत्संग का लाभ लेने का अनुरोध किया है

सतना एवं मैहर जिले में 871 नरवाई जलाने की घटनायें आईं सामने

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पर्यावरण सुरक्षा के लिये ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार फसलों (विशेषतः धान एवं गेहूं) की कटाई उपरांत फसल अवशेषों को खेतों में जलाना प्रतिबंधित किया गया है। जिले में भी नरवाई जलाने से होने वाली आगजनित घटनाओं पर नियंत्रण के लिये कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सतना डॉ. सतीश कुमार एस एवं कलेक्टर मैहर रानी बाटड द्वारा प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर अनुविभागीय दंडाधिकारियों को संबंधित व्यक्ति पर तत्काल पात्रतानुसार जुर्माना अधिरोपित करते हुये आग के कारण का पंचनामा तैयार करने के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये गये हैं।

लेकिन प्रतिबंधों के बावजूद भी जिले में नरवाई जलाने की घटनायें सामने आ रही हैं। दो एकड से कम भूमि धारक कृषकों द्वारा पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि 2500, दो एकड से अधिक किन्तु पांच एकड से कम भूमिधारक को 5000 तथा पांच एकड से अधिक भूमिधारक कृषकों द्वारा पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि 15000 रूपये प्रति घटना देय होगी। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास मनोज कश्यप ने बताया कि कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय भोपाल से प्राप्त सैटेलाइट मॉनीटरिंग की रिपोर्ट अनुसार 23 मई तक की स्थिति में सतना में 710 एवं मैहर जिले में 161 कुल 871 स्थानों पर नरवाई जलाने की घटनायें रिकॉर्ड की गई हैं।

जिसमें तहसील रघुराजनगर में 145, कोठी में 41, रामपुर बघेलान में 106, कोटर में 106, मझगवां में 23, बिरसिंहपुर में 38, नागौद में 175 तथा उचेहरा में 75 घटनायें रिकार्ड की गई है। इसी प्रकार मैहर जिले की तहसील अमरपाटन में 55, मैहर में 89 तथा रामनगर में 16 घटनाएं दर्ज की गई है। उप संचालक कृषि ने संबंधित अनुविभागीय दंडाधिकारियों को सैटेलाइट मॉनीटरिंग की रिपोर्ट से अवगत कराते हुये जिला दंडाधिकारी के निर्देशों के अनुरुप कार्यवाही करने का अनुरोध किया

उप मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य अमले को दिलाई तंबाकू नियंत्रण की शपथ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा से वर्चुअल माध्यम से राज्यभर के स्वास्थ्य अमले को तंबाकू नियंत्रण की शपथ दिलाई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अपने संदेश में कहा कि तंबाकू का सेवन मुंह के कैंसर सहित अनेक जानलेवा बीमारियों का मुख्य कारण है। तंबाकू नियंत्रण के परिप्रेक्ष्य में पूरे राज्य में जनजागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ाने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हमें आज की पीढ़ी को नशे की प्रवृत्तियों से बचाकर स्वस्थ और समर्थ राष्ट्र की नींव रखनी है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे तंबाकू और नशे के अन्य रूपों के दुष्प्रभावों के प्रति समुदाय को जागरूक करें, ताकि यह सामाजिक रूप से अस्वीकार्य बने। उन्होंने कहा कि यह केवल स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा और समृद्धि का सवाल है। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य अमले को यह शपथ भी दिलाई कि वे न केवल स्वयं तंबाकू और नशे से दूर रहेंगे, बल्कि समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

कोठी में 'वुमेन फॉर ट्री' अभियान की शुरुआत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले की नगर परिषद कोठी में अमृत मित्र पहल के अंतर्गत वुमेन फॉर ट्री पौधारोपण अभियान की शुरुआत की गत दिवस इस अभियान में स्व-सहायता समूह की महिलाओं को पौधारोपण का प्रशिक्षण दिया गया। अभियान का पहला चरण वूमेन फॉर ट्री कैंपेन के तहत एक पेड़ मां के नाम अमृत मित्र इनिशिएटिव के अंतर्गत चलाया जा रहा है।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के निर्देश पर यह अभियान संचालित हो रहा है। इसी क्रम में गत दिवस वार्ड नंबर 7 में पार्क एवं बाजार स्थिति देवीगंज तालाब के पास के स्थल का निरीक्षण किया

गया। स्व सहायता समूह की सदस्यों ने स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण दौरान फेटो और वीडियो के माध्यम से दस्तावेज तैयार किए गए। नगर परिषद कोठी के सीएमओ पंजाब सिंह ने बताया कि अभियान 5 जून से 31 अगस्त 2025 तक चलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य हरित क्षेत्र का विस्तार करना है। इससे पारिस्थितिकी संतुलन बना रहेगा और नागरिकों को स्वस्थ जीवन शैली मिलेगी। साथ ही स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता भी मिलेगी। नगर परिषद अधिकारी द्वारा सभी महिलाओं का सम्मान किया गया एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इस दौरान कोठी नगर पंचायत अध्यक्ष सुखवंती बुनकर, सुनीता गौतम, विक्रांत राज खटीक, एनडी तिवारी, अभिजीत सिंह सहित समस्त नगर परिषद कर्मचारी और अमृत स्वयं समूह की समस्त महिलाएं उपस्थित रही।

उद्योग विभाग की कार्यशाला आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। इस योजना के तहत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए कई नवीन प्रावधान किए गए हैं। इस संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला 24 मई को आयोजित की जा रही है। इस संबंध में जिला महाप्रबंधक उद्योग ने बताया कि कार्यशाला स्टार होटल में शाम 6 बजे आरंभ होगी। कार्यशाला में मध्यप्रदेश की एमएसएमई डवलपमेंट पालिसी, एमएसएमई भू आवंटन नियम 2025 तथा एमपी स्टार्टअप पालिसी की जानकारी दी जाएगी। सभी आमंत्रितों से कार्यशाला में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

विचार

न्यायपालिका की विश्वसनीयता के लिए पारदर्शिता जरूरी

नई दिल्ली में उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश को आबंटित आवास के एक कमरे से आधे जले हुए नोटों से भरे बोरे बरामद हुए दो महीने से अधिक समय हो गया है। देश अभी भी इस बात से अनजान है कि यह धन कहां से आया तथा इसका मालिक कौन था। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा द्वारा करंसी नोटों के स्वामित्व से इंकार करने के बाद रहस्य और गहरा गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि उनके परिसर से जो करंसी नोट मिले हैं, वे कहां से आए। उन्होंने कहा कि जिस कमरे से नोट बरामद हुए, वहां उनके स्टाफ के सदस्य पहुंच सकते थे और आरोप लगाया कि उन्हें बदनाम करने की साजिश की जा रही है। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने घटना की गहन जांच करने के लिए न्यायमूर्ति शील नागू, न्यायमूर्ति जी.एस. संधवालिया और न्यायमूर्ति अनु शिवरामन की एक जांच समिति गठित की थी। रिपोर्टों के अनुसार, समिति को न्यायाधीश को हटाने के लिए पर्याप्त सामग्री मिल गई थी, जिन्हें घटना के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया गया था। न्यायमूर्ति खन्ना ने आंतरिक समिति की रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेज दी थी। मुख्य न्यायाधीश ने न्यायमूर्ति वर्मा से प्राप्त जवाब भी संलग्न किया था। विशेषज्ञों ने बताया कि मुख्य न्यायाधीश की कार्रवाई ने संसद में न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ निष्कासन कार्रवाई शुरू करने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। यह स्पष्ट है कि उन्होंने इस्तीफा देने या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने से इंकार कर दिया था। यह मुद्दा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उठाया और आश्चर्य जताया है कि दो महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद मामले में एफ.आई.आर. क्यों नहीं दर्ज की गई। एफ.आई.आर. की जरूरत पर जोर देते हुए धनखड़ ने कहा, ''लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं... पैसे का स्त्रोत, उसका उद्देश्य, क्या इससे न्यायिक प्रणाली प्रदूषित हुई? बड़े शार्क कौन हैं? हमें पता लगाने की जरूरत है।'' इस घटना को 'अरबों लोगों के मन को झकझोरने वाला' बताते हुए धनखड़ ने कहा कि इसकी वैज्ञानिक, फोरैंसिक, विशेषज्ञ, गहन जांच की जरूरत है, जिससे सब कुछ सामने आ जाए और कुछ भी छिपा न रह जाए। सच्चाई सामने आनी चाहिए।' उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समिति के गठन का 'कोई संवैधानिक आधार या कानूनी औचित्य नहीं है, बल्कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह अप्रासंगिक होगा।' यद्यपि 1991 में दिए गए निर्णय के परिणामस्वरूप किसी भी उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के विरुद्ध अभियोजन शुरू करने के लिए पूर्व अनुमति की आवश्यकता होती है, लेकिन यह पुलिस को एफ.आई.आर. दर्ज करने से नहीं रोकता।

अफसरों को जेल की सजा से रुक सकेंगे जहरीली शराब जैसे हादसे

योगेंद्र योगी

भारत में आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं है। सरकारों का काम सिर्फ टैक्स वसूलना रह गया है, जब जिमेदारी लेने के वक्त आता है तो सब एक-दूसरे को दोषी ठहरा कर पीछा छुड़ाने की कोशिश करते हैं। इससे भी ज्यादा आश्चर्य यह है कि सरकारें पिछली गलतियों से भी कोई सबक नहीं सीखती हैं। साथ ही गलतियों के लिए जिमेदार अफसरों पर ऐसी कोई कार्रवाई नहीं होती, जिससे दूसरे लोग इससे सबक सीख सकें। महज कागजी खानापूर्ति करने के लिए कार्रवाई करने के बाद अफसर वापस मलाईदार पोस्टिंग पाने में कामयाब हो जाते हैं। पंजाब के अमृतसर के कई गांव में जहरीली शराब पीने से करीब दो दर्जन लोगों की मौत भी ऐसी ही गैरजिमेदाराना प्रवृति का परिणाम है। इस मामले में मुय आरोपी प्रभजीत सिंह को गिरतार किया गया। आबकारी विभाग के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि इतने लोगों की मौत के बाद अधिकारियों को सिर्फ निलंबित किया गया है।

दरअसल कानून में ऐसा कोई प्रावधान ही नहीं है कि अफसरों की लापरवाही से होने वाली मौतों के लिए उन्हें भी अपराधियों की तरह सजा होगी। केंद्र सरकार ने आपराधिक कानून का नाम बदल दिया। इसमें कई तरह के संशोधन किए गए। किन्तु नौकरशाहों को जिम्मेदार बनाने के लिए सजा का प्रावधान नहीं किया गया। यही वजह है कि जहरीली शराब पीने से होने वाले हादसे हो या इसी तरह के दूसरे हादसों में जिम्मेदार अधिकारियों को आपराधिक मामलों की तरह जेल की सजा नहीं होती। पांच साल पहले पंजाब में तरनतारन, अमृतसर और गुरदासपुर जिलों में एक बड़ी शराब त्रासदी हुई थी।

जुलाई और अगस्त 2020 में माझा क्षेत्र के तीन जिलों तरनतारन, गुरदासपुर और अमृतसर में नकली शराब पीने से लगभग 130 लोगों की मौत हो गई थी। लगभग एक दर्जन लोगों की आंखों की रोशनी चली गई थी। अकेले तरनतारन जिले में लगभग 80 मौतें हुई थीं। 19 मार्च 2024 को पंजाब के ही संगरूर जिले में नकली शराब पीने से 21 हो गई थी, जबकि 40 से अधिक लोग गंभीर रूप से बीमार हुए। ये पहला मौका नहीं है जब देश के किसी राज्य में जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत हुई हो। वर्ष 2014 में अवैध शराब के सेवन से 1,699 मौतें हुईं। वर्ष 2015 में 1,624 घटनाओं में 1,522 लोगों की जान गई। महाराष्ट्र (278), पुडुचेरी (149) और मध्य प्रदेश (246) में सबसे ज़्यादा मौतें हुईं। वर्ष 2016 में 1,073 घटनाओं में 1,054 मौतें दर्ज की गईं। इस वर्ष मध्य प्रदेश (184) और हरियाणा (169) में सबसे ज़्यादा लोगों ने अपनी जान गंवाई। इसी तरह वर्ष 2017 में 1,497 घटनाओं में 1,510 मौतें हुईं। इनमें कर्नाटक (256), मध्य प्रदेश (216) और आंध्र प्रदेश (183) में हालात गंभीर रहे। वर्ष 2018 में 1,346 घटनाओं में 1,365 लोगों की जान गई।

मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (218) में सबसे ज़्यादा मौत के मामले सामने आए। वर्ष 2019 में 1,141 घटनाओं में 1,296 मौतें हुईं। इनमें मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (268) लोगों की मौत हुई। वर्ष 2020 में 931 घटनाओं में 947 लोगों की जान गई। मध्य प्रदेश (214) और झारखंड (139) में सबसे ज़्यादा मौतें हुईं। वर्ष 2021 में 708 घटनाओं में 782 मौतें हुईं और वर्ष 2022 में 507 घटनाओं में 617 मौतें हुईं। इनमें बिहार (134) और कर्नाटक (98) में अवैध शराब का कहर जारी रहा। वर्ष 1992 ओडिशा के कटक में जहरीली शराब पीने से 200 से अधिक लोगों की मौत हुई जबकि 600 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जो दशकों में भारत में इस तरह की सबसे बड़ी घटना थी। वर्ष 1981 में कर्नाटक के बेंगलुरु में सबसे भयानक हादसा हुआ। बेंगलुरु में मिथाइल अल्कोहल विषाक्तता के कारण 308 लोगों की मौत हो गई। यह सस्ती शराब में मिलावट के कारण हुआ था। अवैध या जहरीली शराब सिर्फ बिहार या पंजाब की समस्या नहीं है। देश के लगभग सभी राज्यों में अवैध शराब का कारोबार धड़ल्ले से चलता है। हर साल लाखों लीटर अवैध शराब जब्त भी होती है। लेकिन इस पर पूरी तरह से रोक नहीं लग पा रही। बिहार ही नहीं, बल्कि गुजरात, मिजोरम, नागालैंड और लक्षद्वीप में भी पूरी तरह से शराबबंदी है। इसके बावजूद यहां जहरीली शराब से मौतें होती रहती हैं।

गुजरात पहला राज्य था, जिसने शराब पर प्रतिबंध लगाया था। फिर भी राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि 6 साल में जहरीली या अवैध शराब पीने से राज्य में 54 लोगों की मौत हो चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि भारत में हर साल शराब की जितनी खपत होती है, उसमें से 50 फीसदी अवैध तरीके से बनती और बिकती है। एक अनुमान के मुताबिक भारत में हर साल पांच अरब लीटर शराब पी जाती है। इसमें 40 फीसदी से ज्यादा अवैध तरीके से बनाई जाती है और ये सस्ती होती है। ग्रामीण इलाकों में देसी शराब ज्यादा पी जाती है। बिहार सरकार के आंकड़े बताते हैं कि शराबबंदी कानून तोड़ने के मामले में 6.71 लाख से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। देश के कुछ राज्यों में शराबबंदी लागू है और कुछ ऐसे भी हैं जहां पहले शराबबंदी थी लेकिन बाद में इसे हटा लिया गया। हरियाणा में 1996 में शराबबंदी लागू की गई थी, लेकिन दो साल बाद ही 1998 में इसे हटा लिया गया। आंध्र प्रदेश में 1995 में शराब पर प्रतिबंध लगा लेकिन 1997 में सरकार ने इसे वापस ले लिया। मणिपुर में भी 1991 से शराबबंदी लागू है और सरकार ने इसमें थोड़ी छूट देने का फैसला लिया। ऐसा इसलिए ताकि सरकारी खजाना भर सके। मणिपुर सरकार को शराबबंदी के कानून में थोड़ी छूट देने से 600 करोड़ रुपये का रेवेन्यू मिलने का अनुमान है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक देश के ज्यादातर राज्यों के टैक्स रेवेन्यू में 10 से 15 फीसदी हिस्सेदारी शराब से मिलने वाले टैक्स की है। उत्तर प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों के टैक्स रेवेन्यू में तो 20 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी शराब की है। अवैध और जहरीली शराब से होने वाली मौतों के आंकड़ों से जाहिर है कि देश में ऐसा एक भी साल नहीं गया, जब ऐसे हादसों में लोगों की जानें नहीं गई हों। मतलब जहरीली शराब से होने वाली मौतें देश में स्थाई लाइलाज समस्या बन गई हैं।

केंद्र हो या राज्यों की सरकारें की जांच एजेंसिंया ऐसा हादसा होने के बाद सक्रिय होती हैं। सरकारें मृतक आश्रितों को चंद रूपयों का मुआवजा और कुछ आरोपियों की गिरफ्तारी कर असली जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती हैं। ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति के बावजूद राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में ऐसी समस्याएं स्थान नहीं पाती हैं। दरअसल राजनीतिक दलों की एजेंडे में ऐसी मौतों के लिए कोई स्थान नहीं है।

ऐसा इसलिए भी है कि ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति नहीं होने देने की गारंटी से वोट बैंक मजबूत नहीं होता। यही वजह है कि हर साल किसी न किसी राज्य से जहरीली शराब से होने वाली मौतों की पुनरावृत्ति जारी है। आगे भी इस सिलसिले के थमने के आसार नजर नहीं आते। राज्यों में सिर्फ विपक्षी दल शोर-शराबा करता है, किन्तु सत्ता में आने पर ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए किसी के पास कोई नीति नहीं होती। ऐसी मौतों का सिलसिला तब तक जारी रहेगा, जब तक मौतों के लिए जिम्मेदार अफसरों के लिए कानून में जेल भेजे जाने का प्रावधान नहीं होगा।

'महमूदाबाद' की विरासत-सर सैयद से ऑपरेशन सिंदूर तक

बीते कुछ दिनों से हरियाणा स्थित अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफैसर अली खान महमूदाबाद चर्चा में हैं। बुधवार (21 मई) को सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें अंतरिम जमानत तो दे दी, लेकिन कर्त्तव्यबोध का पाठ पढ़ाते हुए जांच में राहत देने से इंकार कर दिया। प्रस्तावित विशेष जांच दल मामले की तह तक जाएगा। जब 22 अप्रैल को पहलगाम में जिहादियों ने 25 निर्दोष हिंदुओं को उनकी मजहबी पहचान के कारण मार दिया और भारत ने प्रतिकारस्वरूप 6-7 मई की रात पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया, जिसमें दोनों देश युद्ध के मुहाने तक पहुंच गए थे, तब प्रोफैसर अली 8 मई को सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के नाम पर हिंदू-मुस्लिम सांप्रदायिकता को भड़काने के साथ भारतीय सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी की प्रैस वार्ता को 'दिखावा-पाखंड' बता रहे थे। इसका शीर्ष अदालत ने भी संज्ञान लिया है। प्रोफैसर अली के समर्थक, जो खुद को 'उदारवादी' कहलाना ज्यादा पसंद करते हैं, वे दावा करते हैं कि प्रोफैसर ने 'अभिव्यक्ति' के अधिकार का इस्तेमाल किया है।

आखिर अली खान महमूदाबाद की प्रोफैसर के अतिरिक्त और क्या पहचान है? वे शिक्षक से अधिक राजनीतिज्ञ थे। 2019-22 के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता रहे। प्रो. अली एक ऐसे खानदान से ताल्लुक रखते हैं, जिसने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (ए.एम.यू.) के निर्माण और इस्लाम के नाम पर भारत की खूनी तकसीम में अग्रणी भूमिका निभाई। उनका परिवार आजादी से पहले देश के बड़े जमींदारों में से एक था। अर्थात, उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि पाकिस्तानपरस्त होने के साथ सामंतवादी रही है। जहां प्रो. अली के दादा राजा मोहम्मद अमीर अहमद खान पाकिस्तान आंदोलन के समर्थक, मुस्लिम लीग के प्रमुख सदस्य और उसके बड़े वित्तपोषक थे, वहीं उनके परदादा मोहम्मद अली मोहम्मद खान ए.एम.यू. के पहले कुलपति बने। भारतीय उपमहाद्वीप में मुस्लिम अलगाववाद (हिंसा सहित) के अगुवा रहे इस महमूदाबाद परिवार ने विभाजन के बाद खंडित भारत और पाकिस्तान, दोनों में अपनी टांग फंसाए रखी। क्या कोई भी व्यक्ति या परिवार एक ही समय भारत और पाकिस्तान के प्रति वफादार रह सकता है? जहां भारत में बसे महमूदाबाद परिवार ने कांग्रेस से जुड़कर सैकुलरवाद का नकाब ओढ़ लिया, जिसमें प्रो. अली के पिता दो बार कांग्रेस के विधायक भी बने, वहीं इसी वंश का पाकिस्तान निर्माण में योगदान का सम्मान करते हुए पाकिस्तानी हुक्मरानों ने 1990 में डाक टिकट जारी करते हुए कराची में एक क्षेत्र का नाम महमूदाबाद रख दिया।

अर्थात, चित भी मेरी, पट भी मेरी।

ए.एम.यू. के संस्थापक सर सैयद अहमद खान ब्रिटिश समर्थक होने के साथ 'दो राष्ट्र सिद्धांत' के जनक और मुस्लिम अलगाव के पुरोधा थे। उन्होंने 1888 में मेरठ में कहा था कि हिंदू और मुस्लिम स्वतंत्र भारत में बराबर अधिकारों के साथ नहीं रह सकते। वह चाहते थे कि मुसलमान अंग्रेजों को समर्थन दें, ताकि सत्ता कभी हिंदुओं के हाथों में न जाए। इसी सोच के तहत उन्होंने 1875-77 में अलीगढ़ में मुस्लिम-एंग्लो ओरिएंटल कॉलेज (एम.ए.ओ.) की स्थापना की, जो उनके निधन के 22 साल बाद ए.एम.यू. बन गया। इसी प्रक्रिया को पूरा करने में प्रो. अली खान महमूदाबाद के परदादा मोहम्मद अली मोहम्मद खान (1879-1932) ने निर्णायक भूमिका निभाई। वह ए.एम.यू. के पहले कुलपति से पहले 1906 में एम.ए.ओ. के संरक्षक और 1911 में प्रस्तावित ए.एम.यू. की संविधान समिति के अध्यक्ष भी थे। वर्ष 1930-33 में पाकिस्तान का खाका खींचने के बाद ए.एम.यू. मुस्लिम लीग का अनौपचारिक राजनीतिक-वैचारिक प्रतिष्ठान बन गया। ए.एम.यू. छात्रसंघ ने कांग्रेस को

फासीवादी बताते हुए 1941 में मजहब आधारित विभाजन का प्रस्ताव पारित किया। इससे गद्गद मोहम्मद अली जिन्ना ने 1941 में ए.एम.यू. को 'पाकिस्तानी आयुधशाला', तो लियाकत अली खान (पाकिस्तान के प्रथम प्रधानमंत्री) ने ए.एम.यू. के छात्रों को पाकिस्तान के लिए उपयोगी 'गोला-बारूद' बताया था। जो मुस्लिम नेता (मौलाना आजाद और प्रो. हुमायूं कबीर आदि) तब विभाजन का विरोध कर रहे थे, उनपर ए.एम.यू. छात्रों ने इस्लाम का शत्रु मानते हुए हमला भी किया। आजादी के बाद भी ए.एम.यू. के चिंतन में कोई परिवर्तन नहीं आया।

जब अक्तूबर 1947 में पाकिस्तानी सेना ने कश्मीर पर हमला किया, तब एक दिन पहले तक ए.एम.यू. छात्र पाकिस्तानी सेना में भर्ती हो रहे थे। मई 1953 को विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति जाकिर हुसैन ने नेहरू सरकार को पाकिस्तानियों के ए.एम.यू. में दाखिला लेने की जानकारी दी। अगस्त 1956 में ए.एम.यू. छात्रों ने 'हिंदुस्तान मुर्दाबाद' और 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए थे। जब वर्ष 1965 में नवाब अली यावर जंग ए.एम.यू. के कुलपति नियुक्त किए गए, तब छात्रों ने उन पर घातक हमला कर दिया, जिसमें उन्हें 65 जगह चोटें लगीं। ए.एम.यू. में इस प्रकार के कुकर्मों का एक लंबा काला इतिहास है। वर्ष 1940 में जब मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान की आधिकारिक मांग करते हुए लाहौर प्रस्ताव पास किया, तब प्रो. अली के दादा और जिन्ना के बेहद करीबी मोहम्मद आमिर अहमद खान इसके सबसे बड़े समर्थक रहे। 1947 तक राजा अहमद खान इराक के कर्बला चले गए। जब उन्होंने 1957 में पाकिस्तान की नागरिकता ली, तब उनका परिवार (प्रो. अली के पिता सुलेमान सहित) लखनऊ लौट आया। लंदन में बसने से पहले राजा अहमद खान ने अपनी सारी संपत्ति पाकिस्तान को सौंप दी। 1973 में उनका निधन लंदन में हुआ लेकिन उन्हें ईरान में दफनाया गया। अर्थात, उन्होंने अपनी जन्मभूमि हिंदुस्तान को इस लायक भी नहीं समझा कि मरने के बाद उनके शरीर को भारत की मिट्टी में सुपुर्द-ए-खाक किया जाए।

प्रो. अली के पिता ने 1974 से भारत में अपनी पुश्तैनी जायदाद को 'शत्रु संपत्ति' मानने का विरोध शुरू कर दिया।

शीर्ष अदालत ने 2005 में उनके हक में फैसला दिया। तब केंद्र की तत्कालीन कांग्रेस नीत यू.पी.ए. सरकार ने अध्यादेश लाकर इस निर्णय को पलट दिया, जो थोड़े ही समय तक सक्रिय रहा। परंतु 2017 में मोदी सरकार ने 'शत्रु संपत्ति कानून' संशोधित करके स्पष्ट कर दिया कि शत्रु संपत्ति किसी भी वारिस को नहीं मिलेगी, भले ही वे भारतीय नागरिक क्यों न हों। इस पृष्ठभूमि में प्रो. अली खान महमूदाबाद का मामला सिर्फ 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' तक सीमित नहीं रह जाता। इसलिए उनके हालिया विचारों के पीछे के इतिहास को भी समझना जरूरी है।

'जलती पृथ्वी' वाली ड्रेस पहनकर किया वॉक, वियतनाम के डिजाइनर को बनाने में ढाई महीने लगे

छत्तीसगढ़ की जूही ने कान्स के रेड कार्पेट पर दिखाया जलवा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। कान्स फिल्म फेस्टिवल दुनिया भर में ग्लैमर, सिनेमा और सेलिब्रिटीज के लिए जाना जाता है। छत्तीसगढ़ से पहली बार यहां कोई रेड कार्पेट पर दुनिया के सामने एक संदेश लिए चला है। हम बात कर रहे हैं दुर्ग जिले की रहने वाली जूही व्यास की।

पर्यावरण संरक्षण पर काम करने वाली राष्ट्रीय संस्था ग्रीनपीस इंडिया के साथ जूही कान्स पहुंचीं। संस्था की राष्ट्रीय निदेशक मोहिनी शर्मा के साथ जूही ने 'वॉइस ऑफ द प्लैनेट' अभियान के तहत ग्लोबल वार्मिंग से जुड़े संदेश के साथ अनोखी ड्रेस कैरी की।

जूही की ड्रेस को वियतनाम के प्रसिद्ध डिजाइनर गुयेन टीएन ट्रिएन ने डिजाइन किया। इस ड्रेस को तैयार करने में ढाई महीने का वक्त लगा। इस ड्रेस के जरिए धरती की पीड़ा को दिखाया गया है। जूही की ड्रेस 'जलती हुई पृथ्वी' का प्रतीक थी। जिसमें तापमान में बढ़ोतरी और जलवायु असमानता के परिणामों को दिखाया गया।

आग जैसे रंगों और डिजाइन से सजी यह ड्रेस दुनिया के संकट की ओर इशारा करती है और प्रदूषण फैलाने वालों को भविष्य की पृथ्वी कैसी होगी यह दिखा रही है। जूही ने कहा, 'यह सिर्फ एक ड्रेस नहीं है, बल्कि उन लोगों की कहानी है जो चुपचाप जलवायु संकट झेल रहे हैं। एक मां होने के नाते, मुझे अगली पीढ़ी के लिए पृथ्वी की रक्षा करने की जिम्मेदारी और भी ज्यादा महसूस होती है।'

जूही ने कहा, हम चाहते तो कांस में कोई भी स्टाइलिश ड्रेस पहनकर पार्टिसिपेट कर सकते थे, मगर हमने इस मौके को दुनिया का ध्यान सबसे बड़ी समस्या की ओर ले जाने का प्रयास किया। हवा, मिट्?टी पानी को बचाना इंसानों का काम है। इस पर कोई बात नहीं कर रहा है।

जानिए कौन हैं जूही व्यास : भिलाई निवासी जूही व्यास दो बच्चों की मां हैं और एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। हालांकि, अपने जुनून को तराशते हुए, उन्होंने फैशन और मेकअप की दुनिया में कदम रखा। लगभग 12 साल पहले, उन्होंने दुर्ग में जूही सैलून एंड स्पा शुरू किया था। वो एक मेकअप आर्टिस्ट और मॉडल हैं।

कई ब्यूटी खिताब भी जीते: जूही ने 2022 में 'मिसेज इंडिया इंक' प्रतियोगिता में प्रथम रनर-अप का खिताब जीता।

2023 में उन्होंने कैलिफोर्निया में आयोजित 'मिसेज ग्लोब' प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 'पीपल्स चॉइस' का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। 2024 में चीन में आयोजित 'मिसेज ग्लोब' प्रतियोगिता में, जूही व्यास जूरी पैनल में शामिल होने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। बतादें कि कांस फिल्म फेस्टिवल का मकसद अलग-अलग तरह की फिल्मों और सिनेमैटोग्राफी को बढ़ावा देना था। 1939 में दुनिया में सिर्फ एक वेनिस फिल्म फेस्टिवल हुआ करता था। इसमें इटली के तानाशाह मुसोलिनी और जर्मनी के तानाशाह एडोल्फ हिटलर आपस में ही सलाह कर फिल्मों को अवॉर्ड दे दिया करते थे। फिल्म में एक्टिंग, मेकिंग और कला जैसी चीजों का ध्यान नहीं रखा जाता था। इसी मनमानी के खिलाफ 1939 में फ्रांस के कांस शहर में 'कांस फिल्म फेस्टिवल' शुरू हुआ। फ्रांस की नीस सिटी के पास मौजूद कांस बीचेस का शहर है, जहां ये फेस्टिवल होता है। फेस्टिवल के लिए मूवीज सिलेक्ट कर ली गईं। अगस्त के आखिर तक यहां स्टार्स भी पहुंचने लगे। 1 सितंबर की सुबह फिल्मों की स्क्रीनिंग भी शुरू हो गई। तभी खबर आई कि हिटलर ने पोलैंड पर हमला बोल दिया है और इस जंग के चलते कांस फिल्म फेस्टिवल को पहले दिन ही रोकना पड़ा। दो दिन के बाद फ्रांस और ब्रिटेन ने जर्मनी के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया। ये सेकेंड वर्ल्ड वॉर की शुरुआत थी। जंग करीब 6 साल चली। इसके बाद 1946 में कांस फिल्म फेस्टिवल हुआ जिसमें कुल 22 फिल्मों का प्रीमियर हुआ। जंग खत्म होने के बाद 1946 में फ्रांस की प्रोविंशियल सरकार ने फ्रेंच रिवेरा में टूरिस्ट्स को दोबारा आकर्षित करने के लिए कांस फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत को मंजूरी दी। इसके बाद 20 सितंबर 1946 को इस फेस्टिवल की शुरुआत हुई। 18 देशों के रिप्रेसेन्टेटिव इस फेस्टिवल का हिस्सा बने। इसके बाद 1948 और 1950 में फेस्टिवल को फाइनेंशियल इश्यूज के चलते कैंसिल कर दिया गया। हालांकि, 1952 से ये फेस्टिवल लगातार हो रहा है।

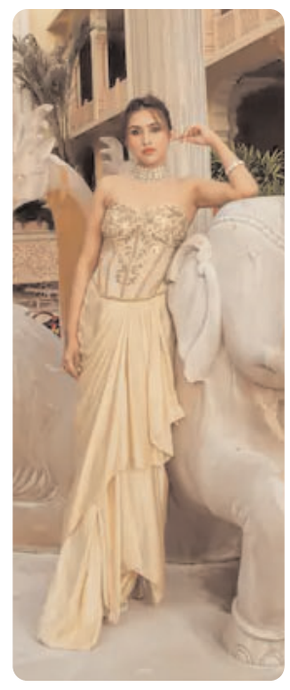

कछौड़ कलस्टर में 2255 में से 2047 आवेदनों का किया गया निराकरण

समाधान शिविर में हितग्राहियों को मिली सौगात

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सुशासन तिहार अंतर्गत जिले के मनेंद्रगढ़ विकासखण्ड के ग्राम कछौड़ कलस्टर में शामिल ग्राम पंचायत के लोगों के लिए सौगातों भरा रहा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप राज्य में शासकीय काम-काज में पारदर्शिता लाने तथा शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के अलावा आम जनता के समस्याओं का समयबद्ध निराकरण करने के उद्देश्य से शुरू किए गए सुशासन तिहार के अंतर्गत जिले में समाधान शिविर जिले के अलग अलग स्थानों में निरंतर आयोजित किया जा रहा है।

इसी कड़ी में आज मनेन्द्रगढ़ विकासखण्ड के स्कूल मैदान कछौड़ में आयोजित समाधान शिविर में ग्राम कछौड़ के अलावा ग्राम रोकड़ा, बड़कबहरा, केराबहरा, बिहारपुर, शिवगढ़, पहाड़हसवाही, रोझी, डीहूलि, बिरौरीडांड तथा ताराबहरा के निवासी शामिल हुए। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने-अपने विभाग से संबंधित चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की

विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन कैसे किया जा रहा है और आप इनका लाभ कैसे ले सकते हैं। कार्यक्रम में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल जागरूकता अभियान पर विशेष चर्चा हुई। अधिकारियों ने ग्रामीणों को जल संरक्षण और घरेलू नल कनेक्शन की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से "पानी बचाओ" की शपथ ली और जल स्रोतों के संरक्षण हेतु जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। जिसमें जनपद पंचायत द्वारा उषा, सावित्री, रोशनी, श्याम लाल, महरजिया, ललिता, संतोषी, सुशीला, मनिषा, विजय, राम बाई, सीमा, अनिता अगरिया एवं बाल कुमारी को नवीन राशन कार्ड वितरित किए गए।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सीता सिंह, नान बाई, उर्मिला, ललिता, रोशनी, सविता, सीता, संतोषी, चंद्रवती, अमरतिया, सविता, सविता एवं श्यामवती को गोद भराई का लाभ दिया गया। इस अवसर पर अमित कुमार, रंविश, आस्था, पूर्वी, आकाश, शिवानी, अनन्या का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया, जिसमें बच्चों को पहली बार अन्न ग्रहण कराया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुम्हा बाई, रामकली, सुखमंती, साधु सिंह, फुल कुंवर और मीना को आयुष्मान भारत कार्ड प्रदान किया गया। जिसके माध्यम से वे अब निःशुल्क इलाज की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। शिविर में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनीता सिंह, उदित नारायण सिंह, विधायक प्रतिनिधि रवि गुप्ता, जनपद पंचायत अध्यक्ष जानकी बाई खुसरो, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष ज्योति गुप्ता,, जनपद सदस्य सुरतिया, राम बाई, राम नरेश, पूर्व भाजापा अध्यक्ष लखन लाल श्रीवास्तव, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष सुरेश श्रीवास्तव, मण्डल अध्यक्ष धीरज मौर्या, सरपंच शोभनाथ, मालती, दुर्गा पंडो, हेमराम, सुनीता, शिव प्रसाद, कौशिल्या, महेश्वरी, संतलाल, संत कुमारी, राम प्रसाद, एसडीएम विजयेंद्र सारथी, तहसीलदार सतरूपा साहू, जनपद सीईओ सुश्री वैशाली सिंह, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने शिविर की सफलता में सक्रिय भूमिका निभाई और ग्रामीणों की समस्याओं का यथासंभव समाधान सुनिश्चित किया।

जून में एकमुश्त मिलेगा तीन माह का चावल ई-केवाईसी अनिवार्य

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के समस्त राशन कार्ड धारकों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत लाभान्वित होने वाले सभी कार्ड धारकों को आगामी माह जून 2025 में तीन माह - जून, जुलाई एवं अगस्त का चावल एकमुश्त वितरित किया जाएगा। प्रशासन ने इसके लिए भंडारण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। खाद्य विभाग के अनुसार चावल के अतिरिक्त अन्य राशन सामग्री की आपूर्ति नागरिक आपूर्ति निगम के स्टॉक की उपलब्धता के अनुसार जून से अगस्त माह तक प्रति माह पृथक-पृथक रूप से की जाएगी। राशन का वितरण जिले की सभी शासकीय राशन दुकानों के माध्यम से किया जाएगा। सभी पात्र हितग्राही अपने राशन कार्ड के अनुसार तीन माह की चावल सामग्री एक साथ प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही विभाग ने सभी राशन कार्डधारियों के लिए ई-केवाईसी (–चङ्कष्ट) को अनिवार्य कर दिया है। जिन राशन कार्ड धारियों का ई-केवाईसी अब तक नहीं हुआ है, उन्हें 31 मई 2025 तक अनिवार्य रूप से यह प्रक्रिया पूरी करनी होगी। राशन कार्ड में जितने भी सदस्य दर्ज हैं, उन सभी का ई-केवाईसी कराना आवश्यक है। ई-केवाईसी पूर्ण न होने की स्थिति में राशन वितरण में बाधा आ सकती है।

सिंचाई के संसाधन बन जाने से बदल रही श्रमिक परिवार की जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मेहनत करने वाले हाथों को एक छोटी सी मदद ही उसके जीवन की दशा और दिशा को बदलने में सक्षम हो जाती है। वनों के किनारे रहने वाले आदिवासी परिवार जिन्हें सरकार ने वनों में रहने के लिए वन अधिकार पत्र दिए हैं, उनके लिए मनरेगा की छोटी-छोटी मदद ने परिवर्तन लाना प्रारंभ कर दिया है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के खड़गवां जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत है बरदर जहां आदिवासी परिवार रहता है। अपने उबड़-खाबड़ जमीन में किसी तरह कड़ी मेहनत से खेतों को तैयार करने वाले श्रमिक धन सिंह और उनकी पत्नी सुघरी अनूसूचित जनजाति वर्ग से आते हैं। इनके परिवार की आर्थिक स्थिति में परिवर्तन में मनरेगा से बने एक जल संसाधन ने नई उमंग जगा दी है। पहले केवल महात्मा गांधी नरेगा के अकुशल श्रम में जीवन यापन करने वाले इस परिवार के पास अब अपने ही खेतों में भरपूर काम है और उनकी आर्थिक समस्या भी निराकृत हो चली है। मेहनतकश आदिवासी परिवार की सफलता की कहानी अब औरों के लिए प्रेरणा बन रही है। ग्राम पंचायत बरदर में रहने वाले धन सिंह और उनकी पत्नी सुघरी महात्मा गांधी नरेगा के पंजीकृत परिवार में शामिल अकुशल श्रमिक हैं। इनके वनभूमि पर लंबे समय से रहवास को महत्व देते हुए राज्य शासन से इन्हें कुछ साल पहले वनाधिकार पत्र जारी हुआ। महात्मा गांधी मनरेगा से जुड़े इस परिवार के पास कुछ एकड़ जमीन थी जो वन भूमि होने के कारण असमतल और सिंचाई विहीन थी। लंबे समय से खेत में मेहनत करते हुए इस परिवार ने अपनी भूमि को खेती लायक तो बना लिया था लेकिन केवल बारिश पर आश्रित होने के कारण इन्हें उस भूमि की जोत का कोई विशेष लाभ नहीं मिल रहा था। ऐसे में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत बने एक कुंए ने उनके खेती को मजबूत कर दिया है। ग्राम पंचायत से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर धन सिंह की पत्नी श्रीमती सुघरी के नाम पर एक व्यक्तिगत कूप निर्माण कार्य गत वित्तीय वर्ष में स्वीकृत हुआ। इस कार्य के लिए ग्राम पंचायत को निर्माण एजेंसी बनाते हुए दो लाख इक्यावन हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। तय समय सीमा में तकनीकी सहायक राहुल के देखरेख में यह कार्य पूरा हुआ। कार्य पूरा होने के बाद से ही इस आदिवासी परिवार के जीवन में बदलाव का दौर आरंभ हो गया है। पहले केवल अकुशल मजदूरी पर आश्रित यह परिवार अपने खेतों में तीन फसल ले रहा है। अब इनके खेतों में गर्मी की धान और उड़द जैसे दलहन की फसल लहलहा रही है।

रायपुर में बैडमिंटन खेलते वक्त युवक की मौत, हार्ट अटैक की आशंका

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में बैडमिंटन खेलते हुए युवक की मौत हो गई है। युवक बैडमिंटन खेलने के बाद रेस्ट करने के लिए कोर्ट से बाहर निकला, फिर जमीन पर बैठा। कुछ देर बाद अचानक मुंह के बल गिर गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम हिमांशु श्रीवास्तव (35) है। वह सेक्टर 4 भिलाई का रहने वाला था। रायपुर के खुशी इंक्लेव अमलीडीह में अपनी पत्नी के साथ रह रहा था। शंकर नगर स्थित एक प्राइवेट कंपनी में मैनेजर के पद पर पदस्थ था।

स्कूली छात्राओं से गंदी हरकत, टीचर गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में स्कूली छात्राओं से छेड़छाड़ करने वाले टीचर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह एक महीने से फरार चल रहा था। जिसे पुलिस गिरफ्तार नहीं कर रही थी। एक दिन पहले जब, जिला शिक्षा अधिकारी (छ्रश्वह्र) ने सस्पेंड टीचर की फरारी में बहाल कर दिया, तब मामला एक बार फिर सुर्खियों में आया। कलेक्टर संजय अग्रवाल की नाराजगी जताने के बाद यह कार्रवाई की गई है। मामला तखतपुर थाना क्षेत्र का है। दरअसल, प्राइमरी स्कूल खुड़ियाडीह में पदस्थ सहायक शिक्षक एलबी अशोक कुर्रे पर स्कूली छात्राओं से बैड टच और गंदी हरकत करने का गंभीर आरोप है। छात्राओं ने इसकी जानकारी अपने परिजन को दी, जिसके बाद नाराज परिजन ने मामले की शिकायत जिला शिक्षा अधिकारी अनिल तिवारी से की थी। उन्होंने मामले की जांच कराई, जांच में आरोप सही पाए जाने पर आरोपी टीचर को 25 फरवरी निलंबित कर दिया। साथ ही मामले की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। बताया जा रहा है कि, टीचर सत्ता से जुड़े नेताओं का रिश्तेदार है। जिसके चलते शिकायत के बाद भी पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं कर रही थी। 25 फरवरी को आरोपी टीचर को सस्पेंड कर थाने में शिकायत की गई थी। लेकिन, दो माह बाद तखतपुर पुलिस ने 21 अप्रैल को उसके खिलाफ केस दर्ज किया। लेकिन, इसके बाद भी उसकी गिरफ्तारी नहीं की जा रही थी।

छात्र सुसाइड केस, सुप्रीम कोर्ट की राजस्थान सरकार को फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टूडेंट्स सुसाइड मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान कोटा में हो रहे स्टूडेंट्स सुसाइड के मामलों को भी गंभीर बताया और राजस्थान सरकार को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा, कोटा में इस साल अब तक 14 स्टूडेंट्स सुसाइड कर चुके हैं। आप एक राज्य के तौर पर इसे लेकर क्या कर रहे हैं? स्टूडेंट्स कोटा में ही क्यों आत्महत्या कर रहे हैं? एक राज्य के तौर पर क्या आपने इस पर कोई विचार नहीं किया? सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी कोटा में छात्रा का शव मिलने और आईईटी खड़गपुर के छात्र के सुसाइड मामले की सुनवाई के दौरान की। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी।

फ्लाइट के टेक ऑफ-लैंडिंग के वक्त खिड़कियां बंद रहेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिफेंस एरिया की सुरक्षा को देखते हुए भारत सरकार ने फ्लाइट के टेक ऑफ और लैंडिंग के वक्त खिड़कियां बंद रखने का आदेश दिया है। यह आदेश डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन की तरफ से जारी किया गया है। आदेश के मुताबिक पैसेंजर्स के फोटो खींचने और वीडियो बनाने पर भी बैन रहेगा। यह नियम देश के उन 4 डिफेंस एयरपोर्ट पर लागू होगा, जिनका इस्तेमाल कॉमर्शियल फ्लाइट के लिए होता है। इसमें अमृतसर, जम्मू, श्रीनगर और जैसलमेर एयरपोर्ट शामिल है। प्लेन के 10,000 फीट जाने तक बंद रखनी होगी विंडो डीजीसीए ने एयरलाइंस, हेलिकॉप्टर और चार्टर्ड प्लेन ऑपरेटरों को निर्देश जारी किया है कि डिफेंस एयरफील्ड में आने और जाने वाली विमानों में खिड़कियां तब तक बंद रहेंगी, जब तक कि प्लेन टेकऑफ के दौरान 10,000 फीट की ऊंचाई तक नहीं पहुंच जाता या लैंडिंग के दौरान नीचे नहीं उतर जाता। एक सीनियर अधिकारी के हवाले से बताया कि यह आदेश रक्षा मंत्रालय की सिफारिश पर जारी किया गया है। आदेश 20 मई को जारी किया गया था। जानकारी अब सामने आई है।

सुप्रीम कोर्ट ने पीओसीएसओ के दोषी को सजा नहीं दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (23 मई) को एक ऐसे व्यक्ति को सजा नहीं दी, जिसे पीओसीएसओ एक्ट के तहत दोषी ठहराया गया था। जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल करते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा, जांच रिपोर्ट के मुताबिक, ये सच है कि कानून की नजर में यह एक अपराध है, लेकिन पीड़ित को ऐसा महसूस नहीं हुआ। उसे सबसे ज्यादा तकलीफ इस बात से हुई कि उसे लगातार पुलिस और कोर्ट में जाना पड़ा और आरोपी को सजा से बचाने की कोशिशें करनी पड़ीं।

दिल्ली विधानसभा को डिजिटल बनाने की परियोजना पर काम शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने दिल्ली विधानसभा को डिजिटल बनाने की परियोजना पर काम शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इस वर्ष मार्च की शुरुआत में अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा में राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) के कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए संसदीय कार्य मंत्रालय के अधिकारियों के साथ एक बैठक बुलाई थी।

पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने कहा, ''दिल्ली विधानसभा के संपूर्ण डिजिटलीकरण के लिए सभी घटक, जैसे दृश्य-श्रव्य प्रणाली और नेटवर्किंग डैशबोर्ड, नेवा परियोजना के अंतर्गत स्थापित किए जाएंगे।

इसमें हाई-स्पीड डेटा नेटवर्किंग के लिए हार्डवेयर स्थापित करना भी शामिल है। परियोजना के कार्यान्वयन के लिए निविदा जारी कर दी गई है।''

अधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना की लागत 15 करोड़ रुपये है तथा कार्य सौंपे जाने की तिथि से 50 दिन की समयावधि है।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़...4 नक्सली ढेर

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर शुक्रवार को महाराष्ट्र के सी-60 कमांडोज ने 4 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। बताया जा रहा है कि सीआरपीएफ के 300 जवानों की टीम ने जंगल के बीच नक्सलियों को घेरकर मारा है। बड़ी संख्या में हथियार बरामद किए गए हैं। मामला कवांडे और नेलगुंडा इलाके का है।मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की सुबह नेलगुंडा इलाके में नक्सलियों ने जवानों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया। लगभग 2 घंटे से रुक-रुककर गोलीबारी हुई।

ट्रम्प की धमकी-भारत में आईफोन बनाए तो 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत में आईफोन बनाने को लेकर एपल को एक बार फिर धमकी दी है। शुक्रवार को ट्रम्प ने कहा अमेरिका में बेचे जाने वाले आईफोन का निर्माण भारत या किसी अन्य देश में नहीं, बल्कि अमेरिका में ही होना चाहिए। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने पहले सीधे तौर पर एपल के सीईओ टिम कुक को बता दिया है कि यदि एपल अमेरिका में

आईफोन नहीं बनाएगा तो कंपनी पर कम से कम 25त्न का टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा, मैंने बहुत पहले एपल के टिम कुक को सूचित कर दिया था कि जो आईफोन अमेरिका में बेचे जाएंगे, वे अमेरिका में निर्मित किए जाएंगे, न कि भारत या कहीं और। यदि ऐसा नहीं होता है, तो एपल को कम से कम 25 प्रतिशत का टैरिफ देना होगा ट्रम्प नहीं चाहते कि एपल के प्रोडक्ट भारत में बनें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नहीं चाहते कि एपल के प्रोडक्ट भारत में बने।

पिछले हफ्ते ट्रम्प ने कंपनी के सीईओ टिम कुक से कहा था कि भारत में फैक्ट्रियां लगाने की जरूरत नहीं है।

राहुल के विदेश मंत्री जयशंकर से 3 सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार विदेश मंत्री एस जयशंकर से 3 सवाल पूछे। एक दिन पहले राहुल ने पीएम मोदी से भी ऑपरेशन सिंदूर और भारत-पाकिस्तान सीजफायर को लेकर 3 सवाल पूछे थे। विदेश मंत्री जयशंकर डच ब्रॉडकास्टर एनओएस को इंटरव्यू दिया था। इसमें जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव पर सवालों के जवाब दिए थे। जयशंकर की क्लिप पहले कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल पर शेयर की थी, राहुल ने इसे री-पोस्ट किया। भाजपा ने शुक्रवार को कहा कि राहुल गांधी सेना की वीरता को कमतर आंकना बंद करें। ऐसे

सवाल पूछना बंद करें, जो नहीं पूछे जाने चाहिए। वे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालते हैं। उनकी टिप्पणी को बचकाना व्यवहार कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी को निशान-ए-पाकिस्तान बताया।

पंजाब में भ्रष्टाचार केस में आप विधायक गिरफ्तार

जालंधर (एजेंसी)। पंजाब में आम आदमी पार्टी के जालंधर सेंट्रल से विधायक रमन अरोड़ा को विजिलेंस ने गिरफ्तार कर लिया है। टीम उन्हें अपने साथ ले गई है। विजिलेंस टीम ने सुबह 8.45 बजे अरोड़ा के अशोक नगर स्थित घर पर रेड की। जिस वक्त विजिलेंस टीम पहुंची, विधायक अरोड़ा कहीं जा रहे थे।विजिलेंस ने घर के नजदीक मंदिर के मोड़ से उन्हें हिरासत में लिया था। इसके बाद टीम उन्हें घर में ले गई। जिसके बाद अंदर छानबीन की गई। जानकारी के अनुसार टीम ने घर से करीब साढ़े 5 लाख रुपए नकदी और एक किलो के करीब सोने के गहनों के साथ कुछ चांदी के गहने भी बरामद किए हैं। सूत्रों के अनुसार विधायक के पर्सनल असिस्टेंट को भी टीम ने हिरासत में लिया है। इस पूरे मामले में पंजाब के सीएम भगवंत मान ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें उन्होंने कहा-बता दें कि विधायक का केस कुछ दिन पहले गिरफ्तार किए एटीपी से जुड़ा हुआ है। सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक विधायक पर आरोप है कि जालंधर नगर निगम के जरिए उन्होंने लोगों को नोटिस भिजवाए।

सरकार बोली-पाकिस्तान को फिर एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में लाएंगे

नई दिल्ली/श्रीनगर (एजेंसी)। भारत सरकार ने कहा है कि पाकिस्तान को फिर की ग्रे लिस्ट में शामिल कराएंगे। इसके लिए एफएटीएफ के साथ मिलकर मजबूत केस तैयार करेंगे। न्यूज एजेंसी एफएटीएफ ने सरकारी सूत्र के हवाले से ये बात कही है। सूत्र के मुताबिक, भारत को लगता है कि पाकिस्तान अपनी जमीन पर आतंकवाद को खत्म करने में नाकाम रहा है।

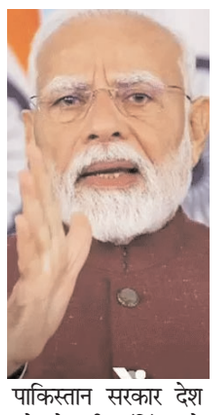

पाकिस्तान सरकार देश को हो रही फंडिंग को हथियार और गोला-बारूद खरीदने में खर्च करती है। ऐसे देश टेरर फंडिंग, मनी लॉन्ड्रिंग रोकने में न केवल नाकाम रहते हैं, बल्कि वहां ये चीजें बढ़ती हैं, उन्हें एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाला जाता है। एफएटीएफ प्लेनरी (फैसले लेने वाली संस्था) की साल में तीन बैठकें फरवरी, जून और अक्टूबर में होती हैं। 2018 में पाकिस्तान कोएफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाला गया था।

उत्तर प्रदेश में आंधी-बारिश, 2 दिन में 60 मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने शुक्रवार को देश भर के सभी केंद्र शासित प्रदेशों में एक साथ आंधी-बारिश और हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। महाराष्ट्र और गोवा के तटीय इलाकों में बहुत भारी बारिश के साथ ही हीट वेव का रेड अलर्ट भी है। वहीं, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, गुजरात कर्नाटक जैसे राज्यों में भारी बारिश के साथ हीट वेव का यलो अलर्ट है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में ओले गिरने की चेतावनी जारी की गई है। राजस्थान के 19 जिलों में आंधी-बारिश और पश्चिमी जिलों में धूलभरी आंधी की चेतावनी जारी की गई है। तीन शहरों में हीट वेव का रेड, एक जिले में ऑरेंज और 12 जिलों में यलो अलर्ट है। इसके अलावा मौसम विभाग ने बताया कि अरब सागर में लो प्रेशर बना हुआ है। अगले 24 घंटों में इसके डिप्रेशन में बदलने और गोवा-महाराष्ट्र तट की ओर बढ़ने की आशंका है। उत्तर प्रदेश में बीते दो दिन में आंधी-बारिश से जुड़ी घटनाओं में 60, जबकि राजस्थान में दो लोगों की मौत हो गई।

राममंदिर के फर्स्ट फ्लोर पर स्थापित होने पहुंचा राम दरबार

अयोध्य (एजेंसी)। राम मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार की प्रतिमा की स्थापना 23 मई को होगी। इसे जयपुर में तैयार किया गया है। मूर्तियां मकराना के सफेद संगमरमर से बनी है। इसमें भगवान श्रीराम और सीता सिंहासन पर विराजमान हैं। भरत और हनुमान जी भगवान श्रीराम के चरणों के पास बैठे हैं।इस सफेद रंग के ट्रक में लाया गया है। राम दरबार की मूर्ति उतार ली गई है जो पूरी तरह पैक है।शेष दो ट्रक अभी लोड ही खड़े हुए हैं। वहीं लक्ष्मण और शत्रुघ्न, भगवान राम के पीछे खड़े होकर चंवर डुलाकर उनकी सेवा कर रहे हैं। मूर्ति की प्रतिष्ठा की तैयारी पूरी हो चुकी है। राम दरबार का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 3 से 5 जून तक होना है। अयोध्या के कालेराम मंदिर में काले शालिग्राम की एक ही शिला पर लगभग ऐसा ही राम दरबार बना हुआ है। राम लला के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु इस राम दरबार के दर्शन जरूर करते हैं।

मंत्री विजय शाह ने तीसरी बार मांगी माफी

भोपाल (एजेंसी)। सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकियों की बहन बताने वाले एमपी के मंत्री कुंवर विजय शाह ने एक बार फिर माफी मांगी है। उन्होंने कहा- ये मेरी भाषाई भूल थी। इसके लिए मैं बहन सोफिया कुरैशी और देशवासियों से माफी मांगता हूं।

मंत्री विजय शाह ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी किया है। जिसमें उन्होंने कहा

है कि किसी को ठेस पहुंचाना मेरा उद्देश्य नहीं था। भूल वश कहे शब्दों के लिए फिर से हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं।

मंत्री विजय शाह की कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी के बाद हाईकोर्ट के आदेश पर उन पर एफआईआर दर्ज की गई थी। शाह ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन वहां भी उन्हें राहत नहीं मिली। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी माफी को नामंजूर कर उनके बयान को लेकर एसआईटी गठित कर जांच के आदेश दे दिए है। जिसके बाद तीन सदस्यीय एसआईटी मामले की जांच में जुटी है। मंत्री विजय शाह 11 मई को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में आयोजित हलमा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा था- उन्होंने कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा। शाह ने आगे कहा- अब मोदी जी कपड़े तो उतार नहीं सकते।

अयोध्या के 22 साल के लेफ्टिनेंट सिक्किम में शहीद

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के रहने वाले लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी सिक्किम में शहीद हो गए। ऑपरेशनल गश्त के दौरान उनका एक साथी जवान नदी में गिर गया। तेज बहाव में जवान बहने लगा। यह देखकर शशांक नदी में कूद गए। साथी को तो मौत के मुंह से खींचकर बाहर निकाल लाए, लेकिन खुद जान गंवा बैठे। 22 साल के शशांक का पार्थिव शरीर आज शाम तक अयोध्या पहुंचेगा। कल यानी शनिवार को राजकीय सम्मान के साथ जमथरा घाट पर अंतिम संस्कार होगा। शशांक घर के इकलौते बेटे थे। 2019 में उनका सिलेक्शन एनडीए में हुआ था।

पिछले साल उन्हें कमीशन मिला और पहली पोस्टिंग सिक्किम में हुई। शशांक की अभी शादी नहीं हुई थी। वह अयोध्या के थाना कैंट क्षेत्र के मझवां गद्दोपुर के रहने वाले थे। शशांक के पिता जंग बहादुर तिवारी मर्चेंट नेवी में हैं और वर्तमान में अमेरिका में तैनात हैं।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका-ऑनलाइन सट्टेबाजी को बढ़ावा दिया जा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि लोग इंडियन प्रीमियर लीग की आड़ में सट्टा लगा रहे हैं और जुआ खेल रहे हैं। हम जानते हैं कि इसे रोका जाना चाहिए, लेकिन शायद आप इस गलतफहमी में हैं कि इसे कानून के जरिए रोका जा सकता है।

कोर्ट ऑनलाइन ऐप को रेगुलेट करने की मांग करने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा था। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, जिस तरह हम लोगों को हत्या करने से नहीं रोक सकते, उसी तरह कोई कानून लोगों को सट्टेबाजी और जुआ खेलने से नहीं रोक सकता। बेंने कहा कि वह केंद्र से पूछेगी कि वह इस मुद्दे पर क्या कर रही है। इसके लिए केंद्र को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। बेंच ने मामले में अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल से मदद की मांग की और कहा कि जरूरत पड़ी तो वह बाद में सभी राज्यों से जवाब मांगेगी। बेंच ने इन हालात को समाज का विचलन बताते हुए अपनी मजबूरी व्यक्त की और कहा कि कानून के लागू होने से लोगों को सट्टा लगाने से नहीं रोका जा सकता। हमने अपने बच्चों को इंटरनेट दे दिया है। वे इसे अपने स्कूलों में भी ले जाते हैं। माता-पिता एक टीवी देखते हैं, बच्चे दूसरा देखते हैं। यह पूरी तरह से सामाजिक विचलन है। क्या किया जा सकता है। जब लोग अपनी मर्जी से सट्टे में लिप्त हैं।

याचिकाकर्ता के ए पॉल ने आरोप लगाया है कि कई ऑनलाइन इन्फ्लूएंसर, एक्टर और क्रिकेटर ऑनलाइन ऐप का प्रचार कर रहे हैं और बच्चों को फंसा रहे हैं।

पॉल ने दावा किया कि वे उन लाखों माता-पिता की तरफ से याचिका लेकर आए हैं, जिनके बच्चे पिछले कुछ सालों में मर चुके हैं। पॉल ने कहा कि सिगरेट के मामले में, पैकेट पर धूम्रपान के नुकसान दिखाती तस्वीरें थीं, लेकिन सट्टेबाजी से जुड़े ऐप के मामले में ऐसी कोई सावधानी नहीं बरती गई। यहां तक ??कि भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटरों ने भी मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान इन ऐप का प्रचार किया।

यूट्यूबर ज्योति के घर से जब्त मोबाइल-दस्तावेज पुलिस ने लौटाए

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा जासूसी के केस में 4 दिन की पुलिस रिमांड पर है। इसी बीच पुलिस ने उसके पिता हरीश मल्होत्रा और ताऊ से लिए गए डॉक्यूमेंट वापस कर दिए हैं। इसमें तीन मोबाइल फोन, आधार-पैन कार्ड, एटीएम और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। हरीश मल्होत्रा ने दैनिक भास्कर को बताया कि 15 मई को ये दस्तावेज पुलिस ने जब्त किए थे, जिसके बाद घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया था। गुरुवार देर रात करीब 2 बजे तीन पुलिसकर्मी आए और ये डॉक्यूमेंट लौटाकर चले गए। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने रिमांड के दौरान कुछ हासिल नहीं किया और अब प्राइवेट वकील न करने का भी दबाव बना रही है। वहीं, ज्योति से अब मुंबई और मध्यप्रदेश की उज्जैन पुलिस भी पूछताछ करेगी। ज्योति ने 3 बार मुंबई जाकर वीडियो

बनाए थे। मुंबई पुलिस जानना चाहती है कि उसने कहां-कहां के वीडियो बनाए और उन्हें किस-किस के साथ शेयर किया। साथ ही ज्योति उज्जैन के महाकाल मंदिर में भी गई थी। उज्जैन पुलिस की 5 मेंबरों की टीम हिसार पहुंची है।

उज्जैन में ज्योति ने महाकाल मंदिर के वीडियो बनाए थे। जिसे किसके साथ शेयर किया गया, इस बारे में ज्योति से पूछताछ होगी। हिसार पुलिस ने ज्योति का 7 दिन का रिमांड मांगा था। लेकिन, कोर्ट ने 4 ही दिन का रिमांड दिया।

धीर को इस बार मुम्बई के खिताब जीतने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर नमन धीर का मानना है कि इस बार मुम्बई इंडियंस आईपीएल का अपना छठा खिताब जीतेगी। धीर ने कहा कि प्लेऑफ में पहुंचने के बाद टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। साथ ही कहा कि टीम के सभी प्रशंसकों को उसके प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद करनी चाहिए। साथ ही कहा कि अब अगले चार मैच अहम होंगे। धीर ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ डेथ ओवरों में सिर्फ 8 गेंदों पर नाबाद 24 रन बनाए बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। टीम को अब पंजाब किंग्स के खिलाफ केवल एक लीग मैच खेलना है। उनका कहना है कि टीम अपने मैच जीतकर शीर्ष दो में जगह बनाने का प्रयास करेगी जिससे वे क्वालीफायर 1 में खेल सकेंगे। ताकि जीत के साथ ही फाइनल में पहुंच जाएं। उन्होंने कहा कि मैच में दिल्ली के गेंदबाजों ने अंतिम ओवरों में लय खो दी थी। मुकेश कुमार ने 19वें ओवर में 27 रन दिए और दुष्मंथा चमीरा ने अंतिम ओवर में 21 रन दिए जिससे मुंबई की टीम 181 रनों तक पहुंची।

सलामी जोड़ी नहीं मिलने से दिल्ली कैपिटल्स असफल रही-बदानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स टीम आईपीएल के इस सत्र में अच्छी शुरुआत के बाद भी प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। जिससे टीम के प्रशंसक निराश हैं और इसका कारण तलाश रहे हैं। वहीं टीम के मुख्य कोच हेमंग बदानी का मानना है कि सही सलामी जोड़ी नहीं मिलने से उनकी टीम को विफलता का सामना करना पड़ा है। कोच के अनुसार टीम ने 13 मैच में सात सलामी जोड़ी उतारीं पर कोई भी सफल नहीं रही। इसी कारण मध्यक्रम पर जरुरत से ज्यादा दबाव पड़ा गया। बदानी ने से कहा, 'एक अच्छी सलामी जोड़ी तभी मिलती है जब वह आपको अच्छी शुरुआत दे। अगर आपको शुरुआत नहीं मिलती है, तो आपको उस कमी को पूरा करने के लिए बदलाव करने होते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर आप प्लेऑफ में पहुंची टीमें देखें कि जिन्होंने शानदार शुरुआत की है और पावरप्ले में बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया है पर हम वैसी शुरुआत नहीं कर पाए और इसलिए हमें वे बदलाव करने पड़े। बदानी ने कहा, 'हमने पहले जैक फ्रेजर-मैकगुर्क को उतारा पर वह सफल नहीं रहे। इसके बाद अभिषेक पोरल, पास फाफ डुप्लेसी और र करुण नायर को आजमाया पर होई भी बल्लेबाज अपने को साबित नहीं कर पाया। अंतर केवल इतना है कि हमारे पास अच्छी शुरुआत के लिए कोई बल्लेबाज नहीं था। साथ ही कहा कि शीर्ष स्थान की यही कमी टीम को भारी पड़ी। इसलिए शुरुआत जीत के बाद टीम पिछड़ने लगी।

इंडिया ए के खिलाफ सीरीज के लिए इंग्लैंड लायंस टीम में फ्लिंटॉफ का बेटा रॉकी भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने अगले माह इंडिया ए के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए पूर्व क्रिकेटर एंड्रयू फ्लिंटॉफ के बेटे रॉकी को भी इंग्लैंड लायंस टीम में शामिल किया है। इसके अलावा तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की भी टीम में वापसी हुई है। इस सीरीज की शुरुआत 30 मई को कैंटरबरी में होगी जबकि दूसरा मैच छह जून से नॉर्थम्पटन में खेला जाएगा। 17 साल के रॉकी ने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में भी अपनी 'ए टीम की ओर से पांच प्रथम श्रेणी मैच खेले थे। निचले क्रम के इस बल्लेबाज ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया एकादश के खिलाफ शानदार शतक लगाया था।वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज वोक्स को 20 जून से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले भारत 'ए के खिलाफ मुकाबले से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी का अवसर मिलेगा। टखने की चोट के कारण उन्हें जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच के लिए इंग्लैंड टीम में शामिल नहीं किया गया था। इंग्लैंड के लेग स्पिनर रेहान अहमद भी अपने छोटे भाई फरहान के साथ इंग्लैंड लायन्स की टीम में शामिल हैं। तेज गेंदबाज अजीत सिंह डेल भी टीम में रहेंगे।

क्या अलग-अलग ग्रुप में होंगे भारत और पाकिस्तान? अटकलों का दौर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका 2026 की पहली तिमाही में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की मेज़बानी करेंगे। इन सबके बीच एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 टी20 विश्व कप विजेता भारत और उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के एक ही समूह का हिस्सा होने की संभावना नहीं है। यह बताया गया है कि आईसीसी आयोजनों में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट के भविष्य पर 17 से 20 जुलाई तक सिंगापुर में होने वाले खेल की शासी संस्था के वार्षिक सम्मेलन में चर्चा की जाएगी।

भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव ने उनके विश्व क्रिकेट मुकाबलों को सिर्फ़ आईसी टूर्नामेंट तक सीमित कर दिया है। हालाँकि, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और उसके बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच सैन्य टकराव के बाद, आईसी इवेंट्स में उनकी प्रतिद्वंद्विता के भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। दोनों टीमों को अगले वर्ष होने वाले टी-20 विश्व कप से शुरू होने वाले वैश्विक टूर्नामेंटों में एक साथ खेलने की संभावना नहीं है।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया, यह मुद्दा वार्षिक सम्मेलन में चर्चा के लिए आएगा। हालांकि भारत और पाकिस्तान के आईसीसी नॉकआउट में नहीं खेलने की संभावना कम है, लेकिन उन्हें एक ही ग्रुप में नहीं रखना, जो कि आईसीसी आयोजनों में आदर्श रहा है, एक संभावना है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह, जो पहले बीसीसीआई सचिव के पद पर कार्यरत थे, पिछले साल दिसंबर में पदभार संभालने के बाद पहली बार वार्षिक सम्मेलन में भाग लेंगे। पिछले कुछ सालों से बीसीसीआई और पीसीबी के बीच टकराव चल रहा है। 2023 में, भारतीय बोर्ड ने रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम को एशिया कप के लिए पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दी, जिससे पीसीबी को हाइब्रिड मॉडल अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

कप्तान शुभमन गिल ने हेड कोच आशीष नेहरा की तारीफ में पढ़े कसीदे

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने मौजूदा आईपीएल में टीम के बेहतरीन प्रदर्शन का श्रेय हेड कोच आशीष नेहरा को दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज को पता था कि टीम को कैसे तैयार करना है। आईपीएल 2022 में डेब्यू करते हुए खिताब जीतने वाली जीटी मौजूदा सत्र में 12 मैच में 9 जीत के साथ अंक तालिका में टॉप पर है।

जियो हॉटस्टार के साथ बातचीत के दौरान गिल ने टीम की पहचान बनाने और गेंदबाजी इकाई को सशक्त बनाने का श्रेय पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज नेहरा को दिया। गिल ने कहा कि, मुझे लगत है कि जब गुजरात टाइटंस पहले साल में खेल रही थी तब आशीष नेहरा के पास एक स्पष्ट दृष्टिकोण था। वह जानते थे कि वह टीम को कैसे तैयार करना चाहते हैं और खिलाड़ियों की भूमिकाएं कैसे परिभाषित करना चाहते हैं। मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह खिलाड़ियों के साथ उनका संवाद बेहतरीन रहा है।

गिल ने कहा कि, हमेशा ऐसे विभाग होते हैं जिनमें सुधार किया जा सकता है। और जिस तरह से वह खिलाड़ियों के साथ व्यक्तिगत रूप से काम करते हैं विशेषकार गेंदबाजों के साथ वह सबसे अलग है।

गिल ने कहा कि, कई लोगों का मानना है कि आईपीएल बल्लेबाजों के दम पर जीता जाता है लेकिन हमारी विचारधारा अलग है। अगर आप स्कोर का बचाव नहीं कर सकते तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने रन बनाते हैं। जिस तरह से वह गेंदबाजी इकाई का मार्गदर्शन करते हैं वह हमारे लिए एक बड़ी ताकत रही है। गिल ने बताया कि साथी सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन के साथ उनकी साझेदारी इतनी प्रभावी क्यों है। इस आईपीएल में सलामी जोड़ी के तौर पर सुदर्शन और गिल ने 76.27 के औसत से 839 रन बनाए हैं जिसमें तीन शतकीय साझेदारियां और चार 50 रन से ज्यादा की साझेदारी शामिल हैं। गिल ने कहा कि, मुझे लगता है कि जिस तरह से हम बल्लेबाजी करते हैं वह बिल्कुल भी समान नहीं है लेकिन बाएं-दाएं संयोजन से मदद मिलती है। हम दोनों विकेटों के बीच बहुत अच्छी तरह से दौड़ते हैं और हम ऐसे खिलाड़ी हैं जो गेंदबाजों सहित प्रतिद्वंद्वी को मात देना पंसद करते हैं।

गुजरात के खिलाफ गरजा मिचेल मार्श का बल्ला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाएंट्स के स्टार बल्लेबाज मिचेल मार्श का गुरुवार को आईपीएल 2025 में जमकर बल्ला गरजा। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शानदार शतकीय पारी खेली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मार्श ने 64 गेंदों में 117 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 8 सिक्स शामिल हैं। उन्होंने 56 गेंदों में शतक पूरा कर लिया था। वह मौजूदा सीजन में शतक जड़ने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी हैं। उन्होंने एक नायाब कारनामा अंजाम दिया है। दरअसल, आईपीएल इतिहास में पहली बार दो भाइयों ने शतक लगाने का कमाल किया है। 33 वर्षीय मिचेल मार्श के अलावा उनके बड़े भाई शॉन मार्श भी आईपीएल में सेंचुरी मार चुके हैं। शॉन मार्श ने साल 2008 में आईपीएल के शुरुआती सीजन में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शतक जमाया था। वह तब पंजाब फ्रेंजाइजी में थे। उन्होंने 2017 में आखिरी आईपीएल मैच खेला। बता दें कि, मिचेल ने आईपीएल में पहली बार सेंचुरी ठोकी है। मिचेल आईपीएल में लखनऊ के लिए शतक जड़ने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने एलएसजी की ओर से तीसरे सबसे बड़ी पारी खेलने का कमाल किया है। लखनऊ के लिए सबसे बड़ी पारी क्विंटन डिकॉक ने खेली। उन्होंने 2024 में केकेआर के खिलाफ नाबाद 140 रन बनाए थे। डिकॉक अब केकेआर का हिस्सा हैं।

विजेता टीम को बीसीसीआई की तरफ से मिलेगी इतनी प्राइज मनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 अपने आखिरी पड़ाव पर है। कुछ ही दिनों में टूर्नामेंट का 18वां सीजन खत्म भी हो जाएगा। 3 जून को आईपीएल 2025 की विजेता टीम का भी फैसला हो जाएगा। इस साल खिताब जीतने वाली टीम को बीसीसीआई की तरफ से करोड़ों रुपये मिलेंगे। इस साल का टूर्नामेंट भारत-पाक के बीच तनाव की वजह से एक हफ्ते के लिए रद्द किया गया था। इसके बाद आईपीएल की फिर से शुरुआत हुई। पहले आईपीएल का फाइनल 25 मई को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाना था लेकिन अब ये मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

वहीं 3 जून को फाइनल मुकाबला जीतने वाली टीम को बीसीसीआई की तरफ से 20 करोड़ रुपये मिलेंगे, जो पिछले साल के बराबर है। वहीं रनर-अप टीम को 12.5 करोड़ रुपये मिलेंगे। जबकि तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को 6.5 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा 5वें से 10वें पायदान पर रहने वाली टीम को कोई धनराशि नहीं दी जाएगी।

आईपीएल 2025 के प्लेऑप में आरसीबी, पंजाब किंग्स, मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस ने जगह बना ली। इन्हीं चारों टीम में से कोई एक टीम इस साल के ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाएगी। वहीं प्लेऑफ की शुरुआत 29 मई से होगी।

एलएसजी ने ऋषभ पंत को टीम से निकाला?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में ऋषभ पंत सबसे महंगे खिलाड़ी के तौर पर बिके। तब से ही वह चर्चाओं में हैं। लखनऊ सुपर जांयट्स ने उन्हें 27 करोड़ रुपये में खरीदा और टीम का कप्तान भी बनाया। लेकिन लखनऊ उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाई और प्लेऑफ से बाहर हो गई। वहीं आईपीएल 2025 में पंत काप्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। जिसके बाद अटकलें लगने लगी कि पंत को एलएसजी से बर्खास्त कर दिया है जिस पर अब खुद पंत ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

ऋषभ पंत ने सोशल मीडिया पर इन अटकलों को फेक न्यूज बताया है। उन्होंने लिखा कि, मैं समझता हूं कि फेक न्यूज ज्यादा चर्चा का विषय बनती हैं। थोड़ी सी समझ और विश्वसनीय खबरें, एजेंडे में लिप्त और फर्जी खबरों से ज्यादा मददगार रह सकती हैं। धन्यवाद, आपका दिन शुभ जिम्मेदार बनें कि हम सोशल मीडिया पर क्या शेयर कर रहे हैं।

पंत दो कारणों से ट्रोल हो रहे हैं। पहला कारण ये है कि उन्होंने पूरे सीजन में एक अर्धशतक तक नहीं लगाया है। वो अब तक 12 मैचों में 12.27 के बेकार औसत से सिर्फ 135 रन बना पाए हैं। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जायंट्स ने एक समय पहले 6 मैचों में 4 जीत दर्ज की थीं। वहीं सीजन के दूसरे हाफ में एलएसजी ने 6 मैचों में सिर्फ एक जीत दर्ज की है। ऐसे में पंत को कप्तानी के लिए भी आलोचनाओं का शिकार बनना पड़ा है।

वहीं सीजन शुरू होने से पहले एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने अपनी टीम और पंत की कप्तानी की बड़ी-बड़ी बातें की थीं। उनका कहना था कि 10 साल बाद पंत का नाम एमएस धोनी और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के साथ लिया जाएगा।

आईपीएल के इस सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से उतरे वैभव बने करोड़पति

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से उतरे 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है। वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी को देखकर दिग्गज गेंदबाज भी हैरान हो गये। खेल के साथ ही वैभव ने इस सत्र में काफी पैसे भी कमाये हैं। वैभव सूर्यवंशी को इस सीजन में कुल 7 मैचों में खेलने का मौका मिले। उन्हें नियमों के अनुसार एक मैच खेलने के लिए 7.5 लाख रुपये की फीस भी मिली। इस प्राकर 7 मैचों में ही उन्होंने 52.5 लाख रुपये कमा लिए। इसके अलावा वैभव ने एक प्लेयर ऑफ द मैच, स्ट्राइकर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी जीत है जिसके लिए उसे एक-एक लाख रुपये मिले हैं। इस

प्रकार वैभव ने तकरीबन डेड़ करोड़ रुपये से ज्यादा कमाई कर ली है। इस प्रकार इस क्रिकेटर ने एक दिन के हिसाब से देखें तो करीब 43650 रुपये कमा लिए। वहीं उनके पूरे आईपीएल से कमाई की बात करें तो उन्हें एक रन के लिए 65,277 रुपये मिले। टीम के कोच विक्रम राठौर के अनुसार वैभव लंबी रेस के घोड़े हैं। 14 साल की उम्र में ही वह दिग्गज गेंदबाजों के सामने बड़े शॉट्स खेलते हैं।14 साल की उम्र में ही उन्होंने 35 गेंदों में आक्रामक शतक लगाया। वो आईपीएल में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी है। वैभव ने इस सीजन में सात मैच खेले. इस दौरान उन्होंने 36 की औसत से 252 रन बनाए। इस दौरान इस क्रिकेटर का स्ट्राइक रेट 206 का रहा।

संभागीय टीमों ने की जल गंगा संवर्धन अभियान की मॉनीटरिंग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने जल गंगा संवर्धन अभियान के निरीक्षण और समन्वय के लिए 6 टीमें तैनात की हैं। इनमें संभागीय अधिकारियों को शामिल किया गया है। इन टीमों द्वारा संभाग के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करके जल संरक्षण कार्यों की मानीटरिंग की जा रही है। इस संबंध में संयुक्त आयुक्त डॉ दिव्या त्रिपाठी ने बताया कि अधिकारियों के दल द्वारा त्योंथर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत घटेहा में अमृत सरोवर निर्माण का निरीक्षण किया गया। रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड की ग्राम पंचायत महसुआ में दल के अधिकारियों ने किसान तेज बहादुर के खेत में बनाए जा रहे खेत तालाब का जायजा लिया। विकासखण्ड जवा में ग्राम पंचायत कल्याणपुर में सुंदरिया आदिवासी की भूमि पर बनाए जा रहे खेत तालाब का निरीक्षण किया गया। संभागीय दल ने रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड की ग्राम पंचायत रामनई में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत महादेव तालाब के गहरीकरण और मेड़ विस्तार के कार्यों का अवलोकन किया।संयुक्त आयुक्त ने बताया कि संभागीय दल के सदस्यों संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास ऊषा सिंह सोलंकी, एसई एमपीईबी प्रभा पाण्डेय ने सीधी जिले के ग्राम बीछी पटेर और हर्दी का भ्रमण करके जल संरक्षण के कार्यों का निरीक्षण किया। ग्रामवासियों से संवाद करके उन्हें जल संवर्धन के लिए प्रेरित किया गया। संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, संभागीय आयुष अधिकारी ने रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड के तीन गांवों में जल संरक्षण कार्यों का निरीक्षण किया। अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा आरपी सिंह ने सतना जिले के ग्राम बहेरिया और रूहिया में जल संरक्षण के कार्यों के साथ-साथ नलजल योजना से बनाई जा रही पानी की टंकी और आंगनवाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया। इसी तरह अलग-अलग दलों द्वारा लगातार क्षेत्र का भ्रमण किया जा रहा है।

दो बहनों को पड़ोसियों ने लाठी-डंडों से पीटा, दोनों पैर और कमर में आई चोट

मीडिया ऑडीटर, सतना(निप्र)। सतना के बदी पुरम उतैली में दो बहनों के साथ पड़ोसी ने मारपीट की। शुक्रवार को इसका एक वीडियो सामने आया है। घटना गुरुवार दोपहर साढ़े 12 बजे की है। पीड़िता ने कोलगवां थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार पीड़िता अंजली अपनी बहन आरती के साथ पड़ोसी मनीष चौरसिया के घर से पानी लेकर लौट रहीं थी। अपने घर के सामने पहुंचते ही पड़ोसी अमन कुशवाहा और उसके पिता सुखलाल कुशवाहा ने पुरानी रंजिश के चलते दोनों को गालियां दीं। जब आरती ने उन्हें रोका तो अमन कुशवाहा ने डंडे से उस पर हमला कर दिया। इस हमले में आरती के दाहिने कंधे, दोनों पैर और कमर में चोट आई है। बचाव में आई अंजली को सुखलाल कुशवाहा ने दौड़ाकर मारने की कोशिश की। डर के मारे भागते समय अंजली का कपड़ा फट गया।

आवाज सुनकर पहुंचे लोगों ने बचाया: शोर सुनकर भागवेंद्र सिंह, शुभम सिंह और लवकुश चौरसिया समेत आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आरोपियों को रोका। इसके बाद दोनों आरोपी बहनों को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

6 महीने से चल रही रंजिश: फरियादिया आरती के पति चंद्रप्रकाश चौरसिया ने बताया कि ठंड के मौसम में जब वे रिश्तेदारों के साथ घर के बाहर आग तापने बैठे थे, तब पड़ोसी सुखलाल और उनका बेटा अमन गालियां देते हुए आए और आग में पानी डालकर चले गए। उन्होंने बताया कि अगर कोई धोखे से उनके घर के बाहर अपनी गाड़ी खड़ी कर दे तो भी वो उसके साथ भी विवाद करने लगते है।

16 मई को भी की थी शिकायत: चंद्रप्रकाश ने बताया कि 16 मई को वे अपने डेढ़ साल के बेटे के साथ बाइक से बाजार से लौट रहे थे। इसी दौरान घर के सामने खड़े अमन कुशवाहा ने अचानक बाइक पर लात मार दी, जिससे उन्हें और उनके बेटे को चोट लगी। इस मामले की शिकायत कोलगवां थाने में की गई थी और दोनों की मेडिकल जांच भी कराई गई थी।

टीआई सुदीप सोनी ने बताया कि घटना का वीडियो मिला है। दोनों बहनों की मेडिकल जांच कराकर मामले की जांच की जा रही है।

पुराने विवाद में पिता-बेटे ने किया हमला

सभी पंचायतों में ई केवाईसी के लिए आज होगा विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की शत-प्रतिशत ई केवाईसी की जा रही है। इसके लिए 24 मई शनिवार को सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा है कि ग्राम सभा आयोजन के लिए तत्काल सूचना जारी कर दें। निर्धारित तिथि में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन कराकर उसमें उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन और समिति सेवक राशन कार्ड में दर्ज सभी व्यक्तियों की ई केवाईसी करा लें। ग्राम सभा में मृत हितग्राहियों, विषमता परिवार के सदस्यों और स्थाई रूप से पलायन करने वाले सदस्यों की सूची का भी वाचन कर दें। इसके बाद ग्राम पंचायत सचिव तथा रोजगार सहायक मृतक, डुप्लीकेट नाम तथा विषमता परिवार के सदस्यों के नाम राशन मित्र पोर्टल से पृथक करने की कार्यवाही करें। ई केवाईसी शत-प्रतिशत अपडेशन तथा अपात्रों के नाम काटने की कार्यवाही 26 मई तक पूरी करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

कलेक्टर ने कहा है कि जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ग्राम सभाओं के आयोजन की तत्काल व्यवस्था कराएं। प्रत्येक ग्राम सभा में नोडल अधिकारी तैनात करें। सभी कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी भी ग्राम सभाओं मं अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। सभी एसडीएम ग्राम सभाओं के आयोजन की मानीटरिंग सुनिश्चित करें। खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की ई केवाईसी 31 मई तक न होने पर उन्हें जून माह से खाद्यान्न नहीं मिलेगा। इसके लिए सेल्समैन, समिति प्रबंधक तथा उचित मूल्य दुकान का संचालन करने वालों के विरूद्ध उत्तरदायित्व का निर्धारण करके कार्यवाही की जाएगी। जिला आपूर्ति अधिकारी सभी विकासखण्डों से उचित मूल्य दुकानवार ई केवाईसी अपडेशन की कार्यवाही पूरी कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

बैकुंठपुर के समीप ट्रैक्टर और बाइक के बीच हुई सीधी टक्कर

सड़क हादसे में दो मौसेरे भाइयों की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र में बीती रात करीब 3 बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। जिसमें दो युवकों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सिरमौर के ग्राम खैरहन निवासी सत्यम साकेत अपने मौसेरे भाई मोहित साकेत के साथ बाइक पर सिरमौर से लउआ सगरा अपने ननिहाल जा रहा था, तभी बैकुंठपुर के समीप सड़क पर जा रहे ट्रैक्टर से बाइक की सीधी टक्कर हो गई।

बताया गया है कि बाइक और ट्रैक्टर की टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक, ट्रैक्टर के नीचे जा घुसी और दोनों मौसेरे भाइयों की गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद बैकुंठपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। लेकिन उपचार के दौरान दोनों भाइयों की मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि मृतक सत्यम साकेत और मोहित साकेत के ननिहाल लउआ सगरा में कोई कार्यक्रम था, जिसमें शामिल होने के लिए दोनों जा रहे थे।

रीवा में पिकप से टकराई यात्रियों से भरी ऑटो, 8 घायल दो गंभीर

रीवा. जिले के गुढ़ थाना अंतर्गत ग्राम बरसइता के पास ऑटो और पिकअप वाहन में टक्कर हो गई। हादसे में आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। जिनमें से दो की हालत गंभीर है। जिन्हें उपचार के लिए जबलपुर रेफर कर दिया गया है। घटना के संबंध में घायल मयंक मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे वह ऑटो में बैठकर अन्य यात्रियों के साथ रीवा आ रहा थे। इसी दौरान बरसइता के समीप ऑटो सामने से आ रही पिकअप से टकरा गया। बताया जा रहा है कि ऑटो चालक शराब के नशे में था और तेज रफ़्तार में वाहन चला रहा था। जिसे सभी यात्री धीरे चलाने के लिए बोल रहे थे, लेकिन वह नहीं माना। इसी दौरान सामने आ रही गाय को बचाने के प्रयास में तेज रफ्तार ऑटो, चालक के नियंत्रण से बाहर होगया और सामने आ रही पिकअप से जा टकराया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल भेजा। जहां से गंभीर रूप से दो घायलों को जबलपुर रेफर कर दिया गया।

निर्माणाधीन बिल्डिंग से डेढ़ क्विंटल सरिया चोरी, 2 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में सिटी कोतवाली पुलिस ने निर्माणाधीन बिल्डिंग से लोहे की छड़ चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से डेढ़ क्विंटल सरिया बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, मोहम्मद इरादी सर्किट हाउस चौक के पास एक बिल्डिंग को डिस्मेंटल करने का काम कर रहे थे। 20 मई की रात को चोरों ने शटर का ताला तोड़कर कार्यस्थल से लोहे की छड़ें और अन्य सामान चुरा लिया। टीआई राजेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। सीसीटीवी कैमरों से मिले फुटेज की मदद से पुलिस ने आरोपियों की पहचान की। आरोपी राज रजानी (24) रीवा के मलगांव का रहने वाला है। दूसरा आरोपी कैलाश (21) दमोह का निवासी है। दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

बाड़ी की तार में फैले करंट से एक की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में फसलों को मवेशियों से बचने के लिए खेत की बाड़ी में करंट फैलाना लगातार जानलेवा हो रहा है। एक बार फिर इस तार की बड़ी में फैले करंट में फंसने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए हैं। जिन्हें उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बैकुंठपुर निवासी मृतक शरद चंद्र साकेत के भाई रामदयाल साकेत ने घटना के संबंध में बताया कि पड़ोस में रहने वाले भास्कर कुशवाहा द्वारा अपनी बाड़ी में लोहे की जाली लगाई गई है और उसी में बिजली का करंट भी लगाया गया है। बीती रात शरद चंद्र किसी काम से उधर गए थे इसी दौरान जाली में लगे करंट की चपेट में आ गए। इस दौरान शरद चंद्र की पुकार सुनकर पास ही मौजूद दो लोग उन्हें बचाने गए तो वह भी करंट की चपेट में आ गए, लेकिन उन्हें बचा लिया गया, जबकि शरद चंद्र जाली में फंसे रह गए जिससे उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने पड़ोसी पर कार्यवाही की मांग की है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संजय गांधी अस्पताल में आग लगने से मचा हड़कंप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के संजय गांधी अस्पताल में आग लगाने से हड़कंप मच गया। आईसीयू वार्ड के बाहर लगी आग लगने से भगदड़ की स्थिति निर्मित हो गई। हालांकि समय रहते अस्पताल के स्टॉफ ने अग्नि शामक यंत्र की मदद से आग पर काबू पा लिया। नहीं तो बड़ी घटना हो सकती थी। बताया जा रहा है कि अस्पताल के दूसरे माले में आईसीयू वार्ड के बाहर दोपहर करीब 12 बजे एसी कम्पाउंड में चिंगारी निकलने के बाद धुएं का गुबार उठने लगा। वार्ड में धुआं भरने से अफरातफरी का माहौल निर्मित हो गया। इस बीच अस्पताल स्टॉफ सहित सुरक्षाकर्मियों ने आग बुझाने की कवायद शुरू की और जल्द ही आग पर काबू पा लिया, जिससे एक बड़ी घटना टल गई। फ़िलहाल आग लगने की वजह शार्ट सर्किट मानी जा रही है। वहीं अस्पताल प्रबंधन ने पूरे मामले की जांच कराये जाने की बात कही है।

युवा संगम कार्यक्रम सतपुड़ा आईटीआई रीवा में 26 मई को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला रोजगार कार्यालय एवं सतपुड़ा आईटीआई रीवा के संयुक्त तत्वाधान में 26 मई को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक सतपुड़ा आईटीआई रीवा में युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 10 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 8500 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा। उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में ट्रायडेन्ट कंपनी बुधनी, सीहोर, शक्ति पंप इंडिया लि. पीथमपुर धार, ग्रोफास्ट एग्रिटेक प्रा. लि. जबलपुर, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा, एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा, प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा नासिक महाराष्ट्र, ख्याति शील्ड वेन्टुरेज प्रा. लि. रायपुर छत्तीसगढ़, विन्ध्या टेलीलिंक लि. चोरहटा रीवा तथा कन्टेम्परेरी सर्विसेज कॉर्पोरेशन इंडिया प्रा. लि. (सीएससी) इंदौर में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

तिलकोत्सव में पंडित पर गोली चलाने वाले गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के गढ़ थाना क्षेत्र के बड़ोखर में 20 मई को हुई फायरिंग की घटना में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर एक देसी कट्टा एवं कारतूस बरामद किया है।

पीड़ित नरेंद्र कुमार मिश्रा निवासी मोहरिया ने बताया कि वह बड़ोखर में आयोजित तिलकोत्सव में पंडिताई करने गए थे। इसी दौरान गांव के ही अखंड प्रताप सिंह अपने एक साथी अमन सेन के साथ मौके पर पहुंचा और जान से मारने की नीयत से कट्टे से फायर कर दिया। हालांकि गोली बगल से निकल गई, लेकिन छर्रे लगने से नरेंद्र घायल हो गए थे। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में प्रस्तुत किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

13 साल के छात्र ने लगाई फांसी, सुसाइड नोट में 2 नाबालिगों पर लगाया आरोप

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के पोड़ी गांव में एक 13 साल के छात्र ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की बहन ने उसे फंदे से लटका देखा और नीचे उतारा। उसके पास से मिले सुसाइड नोट में गांव के दो नाबालिग लड़कों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया गया है। घटना 20 मई की दोपहर करीब 3 बजे की है। मृतक के पिता ने गुरुवार को थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मृतक ने सुसाइड नोट में लिखा है कि दोनों नाबालिग उसे मारते-पीटते थे। धमकियां देते थे और मानसिक शांति भंग करते थे।

मृतक के पिता शिवकुमार मिश्रा ने उन्होंने बताया कि एक महीने पहले भी आरोपियों ने बेटे के साथ मारपीट की थी। उन्होंने बताया कि इस बात की जानकारी मिलने के बाद वो लड़कों के परिजनों से भी मिले थे। इसके बाद मामला शांत हो गया था। घटना के दिन मृतक की मां बड़ी बेटी के साथ मायके गई थीं और पिता काम से कोठी गए थे। घर पर मृतक और उसकी दो बड़ी बहनें थीं। दोपहर में खाना खाने के बाद बहनें सो गईं। करीब 3 बजे जब एक बहन ऊपर के कमरे में गई तो भाई को फांसी के फंदे में लटका पाया।

जांच के लिए भोपाल भेजी जाएगी सुसाइड नोट: टीआई गिरिजाशंकर बाजपेई ने बताया कि सुसाइड नोट और मृतक की परीक्षा की उत्तर पुस्तिका हैंडराइटिंग मिलान के लिए भोपाल भेजी जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री वर्चुअल माध्यम से तंबाकू निषेध कार्यशाला में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा नेशनल हेल्थ मिशन द्वारा संयुक्त रूप से तंबाकू निषेध कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने वर्चुअली भाग लेते हुए कहा कि तंबाकू का विभिन्न रूपों में नशे के रूप में उपयोग किया जा रहा है। तंबाकू मुंह के कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। नशामुक्त भारत अभियान के तहत तंबाकू और उसके अन्य उत्पादों के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों से समाज को जागरूक करें। भावी पीढ़ी को हम नशे से की राह से बचाएंगे तभी हमारे विकास के प्रयास सार्थक होंगे। उप मुख्यमंत्री ने सभी को तंबाकू मुक्त समाज बनाने का संकल्प दिलाया।

स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम और योग को दिनचर्या में शामिल करें - उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सुबह रीवा के नगर वन का भ्रमण किया। उप मुख्यमंत्री ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को नगर वन की व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने नगर वन में सुबह की सैर कर रहे आमजनों से संवाद करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने तन और मन को स्वस्थ रखने के लिए प्रयास करना चाहिए। स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम और योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। हम यदि पूरी तरह से स्वस्थ हैं तो बड़े से बड़ा कार्य कर सकते हैं। प्राकृतिक वातावरण में सुबह टहलना स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक होता है।

संभागीय टीमों द्वारा की जा रही जल गंगा संवर्धन अभियान की मॉनीटरिंग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने जल गंगा संवर्धन अभियान के निरीक्षण और समन्वय के लिए 6 टीमें तैनात की हैं। इनमें संभागीय अधिकारियों को शामिल किया गया है। इन टीमों द्वारा संभाग के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करके जल संरक्षण कार्यों की मानीटरिंग की जा रही है। इस संबंध में संयुक्त आयुक्त डॉ दिव्या त्रिपाठी ने बताया कि अधिकारियों के दल द्वारा त्योंथर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत घटेहा में अमृत सरोवर निर्माण का निरीक्षण किया गया। रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड की ग्राम पंचायत महसुआ में दल के अधिकारियों ने किसान तेज बहादुर के खेत में बनाए जा रहे खेत तालाब का जायजा लिया। विकासखण्ड जवा में ग्राम पंचायत कल्याणपुर में सुंदरिया आदिवासी की भूमि पर बनाए जा रहे खेत तालाब का निरीक्षण किया गया। संभागीय दल ने रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड की ग्राम पंचायत रामनई में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत महादेव तालाब के गहरीकरण और मेड़ विस्तार के कार्यों का अवलोकन किया। इसी तरह अलग-अलग दलों द्वारा लगातार क्षेत्र का भ्रमण किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।